

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 6 सितंबर 2026

असली सूत्रधार बेनकाब होने बाकी

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने मामले में कहा, घटना



के असली सूत्रधार आज भी बेनकाब होने बाकी हैं। झीरम के फैसलों से केवल जमीनी स्तर के आरोपियों तक प्रक्रिया सीमित रह जाती है, जबकि इस जघन्य हत्याकांड के पीछे मौजूद 'आपराधिक राजनीतिक षडयंत्र' की तह तक पहुंचना अभी बाकी है। उन्होंने मांग की है कि सुरक्षा वापस लेने और आईबी अलर्ट की अनदेखी करने वाले तत्कालीन ⏭शेष पेज 7 पर

कांग्रेस ने कहा-आधा अधूरा न्याय, षडयंत्रों की जांच नहीं हुई, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



झीरम घाटी पर एनआईए कोर्ट का निर्णय आने के बाद कांग्रेस ने कहा कि मामले में आधा-अधूरा न्याय मिला है। एनआईए ने जांच में कई गवाहों का बयान ही नहीं लिया। छोटे नक्सलियों को मामले में दोषी करार दिया है। कांग्रेस ने कहा, एनआईए ने षडयंत्रों की जांच नहीं की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। वहीं भाजपा ने कहा कि कांग्रेस को न्यायिक संस्थाओं पर भरोसा ही नहीं है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं, लेकिन एनआईए ने जिस प्रकार से जांच की, उसमें कोई बड़े नक्सली नेता नहीं थे। उनको बचाया गया, जबकि एफआईआर में उनके नाम थे। दूसरी ⏭शेष पेज 7 पर

भाजपा ने कहा- कांग्रेस को कोर्ट पर भरोसा नहीं

सरकार की गोद में बैठे मास्टर माइंड



मामले में शहीद महेंद्र कर्मा की पत्नी देवती कर्मा ने कहा, घटना के मास्टर माइंड अब तक सामने नहीं आए। खाना बनाने वालों को दोषी बता दिया गया है। उन्होंने मामले में हाईकोर्ट जाने की बात कही है। वहीं एआईसीसी की सचिव तुलिका कर्मा ने मामले में कहा, सुपारी ⏭शेष पेज 7 पर



कांग्रेस को न्यायिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं



झीरम पर एनआईए के फैसले का स्वागत करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, ऐसी घटनाओं पर रोक लगनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं समेत कई लोग इसमें शहीद हुए। एनआईए ने पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट कोर्ट के सामने रखी। उसके आधार पर जो भी दोषी पाए गए, उन पर कार्रवाई की गई है। कांग्रेस के आधे-अधूरे जांच के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को न्यायिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने यहां पर जो शहीद स्मारक बनवाया है, उसे देख लें, वहां कितनी अव्यवस्था है।

एनआईए की सशक्त जांच का परिणाम : किरण देव

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में



एनआईए की विशेष अदालत द्वारा दिए गए ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया है। यह फैसला उन सभी 31 निर्दोष नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों और वरिष्ठ नेताओं की आत्मा को शांति प्रदान करने वाला है, जिन्होंने 25 मई 2013 को माओवादी आतंक के ⏭शेष पेज 7 पर

मृत्युदंड की संभावना के बीच अभियोजन व बचाव पक्ष से मांगा सजा पर प्रतिवेदन

13 साल, 294 सुनवाई और 101 गवाह, झीरम कांड के 10 दोषी

सजा का फैसला 16 को

> देश के सबसे बड़े नक्सली हमलों में से एक बस्तर के झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में आखिर फैसला आ गया। 13 साल के लंबे इंतजार के बाद शनिवार को स्थानीय जिला एवं सत्र न्यायालय स्थित विशेष एनआईए न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

झीरम घाटी माओवादी हमले में कांग्रेस के सीनियर नेताओं समेत 29 की हुई थी मौत | छत्तीसगढ़ के लिए कभी न भरने वाले घाव की तरह झीरम घाटी की घटना



विद्याचरण शुक्ल | नंदकुमार पटेल | दिनेश पटेल | उदय मुदलियार | महेंद्र कर्मा

न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत ने मामले में सभी 10 आरोपियों को अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के कथनों के आधार पर विभिन्न गंभीर धाराओं में दोषी करार दिया है। आरोपियों को दी जाने वाली सजा पर फैसला 16 सितंबर को सुनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 13 साल पहले 25 मई 2013 को बस्तर जिले की झीरम घाटी में देश का सबसे बड़ा नक्सली हमला हुआ था। इस हमले में कांग्रेस की उस दौर की एक पूरी राजनीतिक पीढ़ी खत्म हो गई। इस बड़े नक्सली हमले में बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा, तत्कालीन पीसीसी अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, वरिष्ठ नेता विद्याचरण शुक्ल, उदय मुदलियार समेत कांग्रेस के कई प्रमुख नेताओं की जान चली गई थी। हमले में कई सुरक्षा जवान भी शहीद हुए थे, वहीं ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि खास

इन्हें पाया दोषी

सुनवाई के दौरान 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। अदालत ने प्रमिला पोड़ीयाम, चैतू लेखन उर्फ मुन्ना, सुमित्रा उर्फ सुमित्रा पूनम मोड़ीयाम, मुक्का माड़वी, कोसा कवासी उर्फ कोसाराम, आयता मरकाम, मडकामी देवा, जोगा मड़कामी, बंजामी सन्ना उर्फ चमरू उर्फ डेंगा और महादेव नाग को भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 307, 147, 148, 149, 341, 121, 121(ए), 122, 427, 396, 397, 120(बी), आयुध अधिनियम की धारा 25 एवं 27, विस्फोटक अधिनियम की धारा 3, 4 एवं 5 तथा विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया।

13 साल बाद आया फैसला अब सजा पर टिकी नजरें

झीरम घाटी नक्सली हमला छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े और चर्चित नक्सली हमलों में शामिल रहा है। लंबे समय से चल रही न्यायिक प्रक्रिया के बाद अब विशेष एनआईए अदालत द्वारा 10 आरोपियों को दोषी ठहराए जाने के बाद मामले में अगली ⏭शेष पेज 7 पर

बचाव पक्ष हाईकोर्ट में करेगा अपील

वहीं अदालत के फैसले से असंतुष्ट बचाव पक्ष के अधिवक्ता अरविंद चौधरी ने कहा कि वे उच्च न्यायालय में अपील करेंगे। अपील के आधार के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अभी निर्णय की प्रति प्राप्त नहीं हुई है। निर्णय की प्रति मिलने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि किन आधारों पर उच्च न्यायालय में अपील दायर की जाएगी।

कांग्रेस ने प्रदेश को लूटने का काम किया, हम इसे संवार रहे: सांसद पांडे

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनादगांव

हरिभूमि-आईएनएच का खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में जिला-संवाद

हरिभूमि-आईएनएच 24 द्वारा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में आयोजित जिला संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ सांसद संतोष पांडे का संवाद हुआ। संवाद में सांसद संतोष पांडे ने कहा कि छत्तीसगढ़ को लूटने का काम कांग्रेस ने किया है। इसे दस जनपथ का एटीएम बनाकर रखा था। जबकि हमारी सरकार प्रदेश और केसीजी जिले को संवारने का काम कर रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि खैरागढ़ को जिला बनाने की याद कांग्रेस को तब आई जब उपचुनाव लड़ना था। इससे पहले उनके कई मुख्यमंत्री रहे, लेकिन जिला बनाने का काम नहीं किया गया। प्रस्तुत है संवाद के प्रमुख अंश।



■ ***प्रश्न:*** *आप प्रदेश में कांग्रेस शासन के दौरान भी सांसद रहे और अब भाजपा सरकार में भी हैं। दोनों के कार्यशैली में क्या मुख्य अंतर देखते हैं?*

■ **उत्तर:** दोनों के काम करने के तरीके में जमीन-आसमान का फर्क है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कभी राजनांदगांव की सुध नहीं ली। वे खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय और महुआ प्रसंस्करण केंद्र समेत तीन प्रमुख कार्यालयों को दुर्ग स्थानांतरित करना चाहते थे। कांग्रेस सरकार के दौरान 3200 करोड़ का शराब घोटाला, महादेव सट्टा से प्रोटेक्शन मनी, कोयला घोटाला और बोरे-बासी तक में भ्रष्टाचार हुआ। छत्तीसगढ़ को कांग्रेस ने अपना एटीएम बनाकर सारा पैसा दस जनपथ भेजने का काम किया, इसी वजह से उनके कई नेता व मंत्री जेल पहुंचे। ⏭शेष पेज 7 पर

सरकार पर भेदभाव का आरोप

क्षेत्रीय विधायक यशोदा वर्मा ने विकास के मुद्दे को लेकर कहा कि सभी योजनाएं भूपेश सरकार की देन है। 15 साल के भाजपा सरकार में यहां जिला तक नहीं बन पाया, जबकि इसकी मांग लंबे समय से की जा रही थी। कांग्रेस सरकार ने जिला बनाने के साथ ही दूरस्थ वनांचल क्षेत्र सालेवारा को तहसील बनाया, जालबांधा को उप तहसील बनाया। उन्होंने यहां के विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि जिला अस्पताल, कॉलेज, जिला कार्यालय की स्वीकृति कांग्रेस सरकार ने दी। विधायक यशोदा वर्मा ने सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार भाजपा विधायकों को क्षेत्रीय विकास के लिए ज्यादा राशि दी जा रही है और हमें कम मिल रहा है।





जोहैरी मोला बनीं मिस वर्ल्ड-2026



नई दिल्ली। डोमिनिकन रिपब्लिक की जोहेरी मोल डोमिंग्वेज मिस वर्ल्ड 2026 बनीं। शनिवार को वियतनाम के न्हा ट्रांग में हुए ग्रैंड फिनाले में मिस वर्ल्ड 2025 रहीं ओपल सुचाता चुआंगश्री ने जोहेरी को ताज पहनाया। स्पेन की एलिसाबेथ रेनेस रनर अप रहीं। वहीं, मलेशिया की तानुसिया चेट्टी तीसरे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में

अंडमान एवं निकोबार के दिनेश बने एलजी

नई दिल्ली। भाजपा के राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा को शनिवार को अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया। राष्ट्रपति ने डॉ. दिनेश शर्मा को अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह का उपराज्यपाल नियुक्त किया है। इसमें यह कहा गया है कि यह नियुक्ति उनके पदभार संभालने की तारीख से प्रभावी होगी। शर्मा (62) इससे पहले उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं।

खड़ी लॉरी से टकराई कार, 8 छात्रों की मौत

त्रिशूर। केरलम के त्रिशूर जिले में एक सड़क हादसे में तमिलनाडु के इंजीनियरिंग कॉलेज के आठ छात्रों की मौत हो गई। ये सभी तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे। गुरुवायूर से कोडुंगल्लूर की ओर जा रहे थे। मृतकों की पहचान डिंडीगुल निवासी सूर्या, युवासंजीत, विश्व व जोहुआ तथा मदुरै निवासी संतोष व प्रसन्ना के रूप में हुई है। दो अन्य छात्रों की पहचान नहीं हो पाई है।

धमाकेदार शुरुआत के साथ छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी कॉमेडी पिक्चर

नीलजय फिल्मस ले के आवत हे

neeljai films

मनीष मानिकपुरी प्रस्तुत

मोर मयारू

छत्तीसगढ़ी फिल्म

लेखक-निर्देशक
राहुल प्रताप सिंह

निर्माता
प्रणय गर्ग

सह-निर्माता
निशेष त्रिपाठी


रायपुर हाऊसफुल


दुर्ग हाऊसफुल


बिलासपुर हाऊसफुल


भिलाई हाऊसफुल


अंबिकापुर हाऊसफुल

रायपुर, रविवार 6 सितंबर 2026 | भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी | वर्ष : 25, अंक : 47 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5 .00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



गोविंदा आला रे...





गुढ़ियारी में दही-हांडी लूट देशभर से पहुंचीं टोलियां



रायपुर। गुढ़ियारी स्थित अवधपुरी मैदान में भव्य दही हांडी उत्सव हुआ, जहां मटकी फोड़ने के लिए देशभर से गोविंदाओं की टोलियां पहुंची हुई थीं। देर शाम शुरू हुई प्रतियोगिता में विभिन्न टोलियां मटकी फोड़ने का प्रयास करती रहीं। बता दें कि इस बार 15 लाख रुपए का नकद पुरस्कार रखा गया था, जिसके लिए टोलियों में मटकी फोड़ने की होड़ मची हुई थी। प्रतियोगिता के साथ-साथ रात में बॉलीवुड के सिंगर बी. प्राक और प्रख्यात भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा लाइव की परफॉर्मेंस ने लोगों में उत्साह और बढ़ा दिया। साथ ही छत्तीसगढ़ की लोकगायिका गरिमा-स्वर्णा दिवाकर ने भी अपनी प्रस्तुति से रंग जमाया।

साय ने कहा- शिक्षक वास्तव में राष्ट्र और नई पीढ़ी के निर्माता

2026-27 के राज्य शिक्षक सम्मान के लिए चयनित 64 शिक्षकों के नामों की हुई घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लोकभवन के छत्तीसगढ़ मंडपम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के 63 उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चार उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने वर्ष 2026-27 के राज्य ⏭शेष पेज 7 पर

चार शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार

चार उत्कृष्ट शिक्षकों को विशिष्ट राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के राजेश कुमार प्रजापति को डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी स्मृति पुरस्कार, कोरबा जिले के कामता प्रसाद जायसवाल को डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र स्मृति पुरस्कार, दुर्ग जिले की प्रज्ञा सिंह को डॉ. मुकुटधर पाण्डेय स्मृति पुरस्कार व सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की प्रियंका गोस्वामी को गजानन माधव मुक्तिबोध स्मृति पुरस्कार दिया गया।



शिक्षा को संस्कार, कौशल और रोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर : साय

समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिक्षक दिवस पर सभी गुरुजनों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान शिक्षकों के समर्पण, कठिन परिश्रम, नवाचार और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान है। शिक्षक वास्तव में राष्ट्र और नई पीढ़ी के निर्माता हैं। प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और प्रत्येक बच्चे तक बेहतर शैक्षणिक अवसर पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। युक्तियुक्तकरण के बाद अब एक भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं है।

दस्तावेजों में पश्चिम बंगाल का पता, पुलिस पहुंची तो पता गलत निकला

अवैध बांग्लादेशियों पर एक्शन, 23 को बिलासपुर से भेजा रायपुर डिटेंशन सेंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों और बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे संदिग्ध लोगों की पहचान के लिए चलाए जा रहे अभियान में बिलासपुर पुलिस को बड़ी जानकारी मिली है। पुलिस के रिकॉर्ड में सिरगिट्टी क्षेत्र में रहने वाले 23 संदिग्धों के पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद व आसपास के इलाकों के पते दर्ज थे। इन पतों की वास्तविकता जांचने के लिए बिलासपुर पुलिस की विशेष टीम पश्चिम बंगाल पहुंची। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच में सूचीबद्ध कई पते मौके पर सही नहीं पाए गए। राज्य ⏭शेष पेज 7 पर



सूचना के लिए टोल फ्री नंबर जारी

पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों या बिना वैध दस्तावेजों के निवास की जानकारी देने के लिए 1800-233-1905 टोल फ्री नंबर जारी किया है। आम नागरिक इस नंबर पर सूचना दे सकते हैं। पुलिस ने अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही है।

सिरगिट्टी में इन्हें पकड़ा गया

सीव मंडल- ग्राम रामकनाईपुर, पो. पुरास्थान, थाना रघुनाथगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , सफीकुल इस्लाम ग्राम हीरानंदपुर, पो. निमतिता, थाना समसेरगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , इजामुल शेख ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, नशीतुल शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, सेलटू शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, ⏭ शेष पेज 7 पर

घायल युवक अस्पताल में भर्ती

दो बच्चियों की चोरी की आशंका, आरोपी को धुना



हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा/नवागढ़

नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मुरता के बैकुंठपारा में शनिवार शाम करीब 7 बजे बच्चा चोरी की आशंका से हड़कंप मच गया। दो बच्चियों को कथित रूप से ले जाने की आशंका में ग्रामीणों ने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची, लेकिन ग्रामीणों की पिटाई से घायल संदिग्ध को इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, जिसके बाद ⏭शेष पेज 7 पर

जांच के बाद स्पष्ट होगी स्थिति

थाना प्रभारी दुलेश्वर चंद्रवंशी ने बताया कि गांव वालों ने बच्चा चोरी की आशंका में एक व्यक्ति को पकड़ने की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस संदिग्ध को लेने गांव गई थी। पिटाई के कारण उसे चोट आई थी, जिसके चलते नवागढ़ अस्पताल ले जाया गया। हाथ में गंभीर चोट होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।



संदिग्ध घायल

भगत होंगे छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी, भूपेश को असम, पायलट को पंजाब की कमान

एआईसीसी ने छह राज्यों के प्रदेश कांग्रेस प्रभारी बदले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एआईसीसी ने छह राज्यों के प्रदेश कांग्रेस प्रभारियों को बदला है। छत्तीसगढ़, असम, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश में नए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। झारखंड से कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया गया है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पंजाब की जगह असम और छत्तीसगढ़ के मौजूदा प्रभारी सचिन पायलट को पंजाब की कमान सौंपी गई है। कांग्रेस महामंत्री ⏭शेष पेज 7 पर



सुखदेव भगत



भूपेश बघेल



सचिन पायलट

छत्तीसगढ़ में नई टीम और नई रणनीति

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में लगे झटकों के बाद संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस छत्तीसगढ़ की 11 में से केवल एक सीट जीत सकी थी। ऐसे में प्रदेश प्रभारी की भूमिका आने वाले समय में बेहद महत्वपूर्ण होगी। सुखदेव भगत को जिम्मेदारी मिलने की स्थिति में उनके सामने प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न गुटों के बीच समन्वय कायम करने, जिला एवं ब्लॉक स्तर के संगठन को सक्रिय करने और आगामी चुनावों के लिए मजबूत चुनावी ढांचा तैयार करने की चुनौती होगी।

क्रिकेट महिला एशिया कप

भारत ने पाकिस्तान को दी करारी शिकस्त

एजेंसी ⏭ दुबई

विमेंस एशिया कप के 9वें मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 7 विकेट से हराया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान से मिले 56 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने आसानी से 3 विकेट खोकर 8.4 ओवर में हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शेफाली वर्मा 6 गेंदों में 12 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटीं।







देवेंद्र के साथ एक ही गाड़ी में सवार हुए महंत-टीएस, सिंहदेव देवेंद्र के निवास भी पहुंचे

यूथ कांग्रेस चुनाव के बीच देवेंद्र के साथ टीएस, महंत, टेकाम का हाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

छत्तीसगढ़ में इन दिनों युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद के संगठनात्मक चुनाव की सरगर्मी तेज है। यूथ कांग्रेस चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव दो खेमे में बंट गए हैं। इस बीच कांग्रेस के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में नेता प्रतिपक्ष चरणदास ⏭शेष पेज 7 पर

खास खबर



बंद कमरे में देवेंद्र व उनकी टीम के साथ हुई गहन चर्चा

दुर्ग में प्रशिक्षण शिविर से निकलने के बाद देवेंद्र यादव अपनी गाड़ी में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत और पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और प्रेम साय सिंह टेकाम को बैठाकर सेक्टर-5 स्थित अपने निवास के लिए निकले। चरणदास महंत किसी काम से बीच में रुक गए। इसके बाद सिंहदेव व टेकाम के साथ देवेंद्र अपने आवास पहुंचे। लक्ष्मीपति राजू, उनके बड़े भाई धर्मेंद्र यादव, सुमित पवार, आदित्य सिंह, एकांक्ष बंछोर और कई अन्य नेताओं ने उनके साथ लंच किया।

छात्रों में नशे की लत और अधिक 'स्क्रीन टाइम' को लेकर सतर्क रहें शिक्षक

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों से कई महत्वपूर्ण विषयों पर की बातचीत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षकों से छात्रों में नशे की लत को लेकर सतर्क रहने और खेलकूद, शारीरिक गतिविधियों एवं रचनात्मक कार्यों के जरिए बच्चों का 'स्क्रीन टाइम' (मोबाइल फोन और अन्य स्क्रीन पर बिताया जाने वाला समय) कम करने में मदद करने की अपील की है। मोदी ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों से बातचीत के दौरान उनसे बच्चों के बचपन को बनाए रखने और उनकी स्वाभाविक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को कक्षा में पढ़ाई को अधिक रोचक बनाने के लिए रचनात्मक तरीकों को एक-दूसरे के साथ साझा करना चाहिए। बच्चों के जीवन पर भी ध्यान देना चाहिए।

नशे की समस्या का जिक्र

मोदी ने कहा कि संयुक्त परिवारों की संख्या में कमी आने के कारण बच्चों के जीवन में शिक्षकों की भूमिका अब और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मोदी ने नशे की समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ बड़े शहरों और विश्वविद्यालयों में यह पता लगाना मुश्किल होता है कि कोई इसकी चपेट में आ गया है या नहीं, क्योंकि यह पता ही नहीं चलता कि कौन किसे क्या दे रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसी परिस्थितियों में शिक्षकों को जागरूकता फैलाने की पहल करनी चाहिए ।



ऐसे कम करें 'स्क्रीन टाइम' : मोदी ने कहा कि छात्रों का बढ़ता 'स्क्रीन टाइम' बड़ी चिंता बन गया है। उन्होंने शिक्षकों से अभिभावकों से इस बारे में बात करने को कहा कि उनके बच्चे स्क्रीन पर कितना समय बिताते हैं और क्या वे देर रात तक मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते रहते हैं। मोदी ने कहा कि बच्चों में खेलकूद, शारीरिक गतिविधियों और रचनात्मक कार्यों के प्रति रुचि पैदा करके उनका 'स्क्रीन टाइम' स्वाभाविक रूप से कम किया जा सकता है।

छात्रों के जीवन से जुड़ें

मोदी ने कहा कि शिक्षकों को किताबों और पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर छात्रों के जीवन से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आपको किसी छात्र के बचपन को खत्म नहीं होने देना चाहिए। छात्रों के जीवन में बचपन को जीवंत बनाए रखने में शिक्षक सबसे बड़ा योगदान दे सकते हैं।' मोदी ने इस बारे में भी बात की कि शिक्षक छात्रों को लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहने से कैसे दूर रख सकते हैं और उन्हें खुले में खेलकूद के लिए कैसे प्रेरित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों की बुनियादी प्रवृत्ति एवं जिज्ञासा एक जैसी होती है और यदि शिक्षक इस जिज्ञासा को प्रोत्साहित कर सही दिशा दें तो वे उनके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

श्रीराम कालेज पहुंचे मोदी, विपक्ष पर साधा निशाना



हरिभूमि न्यूज .नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली मेट्रो से पहुंचे। यहां उन्होंने जेन जेड छात्रों को संबोधित करते हुए अपनी लाल किले पर दी गई 15 अगस्त की स्पीच का जिक्र भी किया। वे बोले- मैंने उस दिन 'दिमागी नक्सल' कहकर होम्योपैथी की ऐसी गोली दी, जिससे सारे विरोधी बौखलाने लगे। पीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा- जब हम दुनिया का सबसे बड़ा स्टेच्यू बना रहे थे तब फूफा जी ने कमर कस ली, इसकी जरूरत क्या है। जब हमने हाई स्पीड ट्रेन पर काम किया तो फूफा जी बोले, इसकी जरूरत क्या है। लेकिन भारत ने ऐसे सारे फूफाओं को जवाब दिया। जो देश के लिए जरूरी है वो भारत को करने से कोई रोक नहीं सकता।

खबर संक्षेप

शुद्धीकरण विवाद : एसटी-एससी सांसदों की कल बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हल्द्वानी के 'शुद्धीकरण' मुद्दे पर अपने सभीएससी/एसटी सांसदों की बैठक बुलाई है। बैठक 7 सितंबर को इंदिरा भवन में होगी। कांग्रेस के मुताबिक, बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। 29 अगस्त को दिल्ली में इस मुद्दे को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 8 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित किया था। शिकायत में कहा गया है कि इसके दो दिन बाद 10 अगस्त को भाजपा के कुछ पदाधिकारियों और अन्य लोगों ने इसी स्थान पर कथित 'शुद्धीकरण' किया था।



1 दिसंबर से चुनावी राज्यों में जनगणना

नई दिल्ली। 2027 की जनगणना के लिए गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक आबादी की गिनती की जाएगी। भारत के रजिस्ट्रार जनरल के मुताबिक देश के जिन राज्यों में अगले वर्ष की शुरुआत में चुनाव हो सकते हैं, वहां यह प्रक्रिया पहले शुरू की जा रही है। सरकारी अधिसूचना जारी करते हुए भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त ने कहा है कि चुनाव की संभावनाओं को देखते हुए इन राज्यों में जनगणना की प्रक्रिया पहले शुरू की जा रही है। यहां लोग 16 से 30 नवंबर तक अपनी जानकारी दर्ज करने या सेल्फ एन्युमरेशन का विकल्प चुन सकते हैं।

वांगचुक ने लद्दाख में फिर आंदोलन की दी चेतावनी

नई दिल्ली। लद्दाख में अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे लेह एपेक्स बॉडी (लैब) ने 9 सितंबर को गृह मंत्रालय के साथ होने वाली बातचीत से पहले आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। लैब ने कहा कि अगर बैठक में ठोस और सकारात्मक प्रगति नहीं हुई तो बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। अनुच्छेद 371 के तहत सुरक्षा, पिछले साल 24 सितंबर की हिंसा के मामलों को वापस लेने, पीड़ितों को मुआवजा देने और जांच आयोग की रिपोर्ट जारी करने की मांग कर रहे हैं।



राष्ट्रपति मुर्मू ने शिक्षक दिवस पर राजधानी दिल्ली में किया सम्मान

इनोवेशन के लिए छत्तीसगढ़ की सुनीता सहित 82 उत्कृष्ट शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति मुर्मु ने शनिवार को तीन विभागों से चुने गए इन शिक्षकों और शिक्षाविदों को राजधानी दिल्ली में सम्मान किया। इन शिक्षकों में स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के 48 शिक्षक, उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 शिक्षक या फैकल्टी सदस्य, और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के 13 कौशल प्रशिक्षक शामिल हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा हमारे संविधान में निहित अवसर की समानता के आदर्श को साकार करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को नगण्य स्तर तक लाने में शिक्षकों के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने इस राष्ट्रीय उपलब्धि के लिए सभी शिक्षकों की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि स्कूली शिक्षा पूरी शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला है। ज्ञान और कौशल कभी भी हासिल किए जा सकते हैं, लेकिन बचपन में अच्छे आचरण और संस्कारों की शिक्षा अधिक प्रभावी होती है। प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक और नैतिक विकास पर ध्यान केंद्रित करके शिक्षक भविष्य की ऐसी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं, जो उत्कृष्ट विद्यार्थी होने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक भी बने।

सुनीता के 'न्योता भोजन और घर-घर पुस्तक वाचन अभियान की हुई तारीफ

शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में देशभर के 82 उत्कृष्ट शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किए। सचल वैज्ञानिक प्रयोगशाला बनाने, पुनर्चक्रण की गई वस्तुओं से संवादात्मक आउटडोर साइंस और नॉलेज पार्क तैयार करना, रीडिंग कैंपेन और 'ट्री टॉक' (क्यूआर कोड-आधारित वनस्पति अध्ययन प्रणाली) जैसे इनोवेशन (नवोन्मेष) के लिए 82 शिक्षकों को इस वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।





कुंडा ने दिलाए समान शैक्षणिक अवसर

महाराष्ट्र के नासिक की कुंडा जयवंत बछाव को हर विद्यार्थी तक नवोन्मेषी और समान शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। बछाव को प्रदान प्रशस्ति पत्र में कहा गया, ' अपनी शैक्षणिक मार्गदर्शन पहल के जरिए, उन्होंने 150 से अधिक जरूरतमंद लड़कियों को आर्थिक और शैक्षणिक मदद दी है, जिससे कम उम्र में शादी को रोका जा सका है और उनके लिए उच्च शिक्षा के रास्ते खुले हैं।

जायसवाल के शिक्षण के तरीके

चंडीगढ़ के राजकीय आदर्श माध्यमिक विद्यालय के रवि जायसवाल को उनके नए तरह के शिक्षण के तरीकों के लिए सम्मानित किया गया है। उन्होंने कम लागत वाले और आसानी से बढ़ाए जा सकने वाले कई समाधान तैयार किए हैं, जैसे कि सीवी रमन डोम थिएटर, वाहन पर स्थापित सचल विज्ञान प्रयोगशाला और पुनर्चक्रण की गई वस्तुओं से बना संवादात्मक आउटडोर विज्ञान और ज्ञान पार्क।

गाजियाबाद की रेनू की सराहनीय पहल

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की रेनू त्रिपाठी को 60 गांवों के स्कूल छोड़ने वाले और स्कूल न जाने वाले बच्चों को वापस कक्षा में लाने के लिए की गई कोशिशों को मान्यता देने के वास्ते राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

सुनीता की पहल का असर

छत्तीसगढ़ के खिचड़ी स्थित राजकीय मध्य विद्यालय की सुनीता यादव को ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और समग्र शैक्षिक विकास की पहलों का नेतृत्व करने के लिए इस सम्मान से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार के साथ दिये गए प्रशस्ति पत्र में कहा गया, ' उनकी शानदार सामुदायिक पहल 'न्योता भोजन' (जो अब पूरे राज्य मंर फैल चुका है) और घर-घर पुस्तक वाचन अभियान की वजह से उनके स्कूल में 100 प्रतिशत मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफएलएन)का लक्ष्य हासिल किया है, जिससे स्कूल को 'सुघ्घर पढ़ैया' कौस्तुभ श्रेणी का दर्जा मिला है। 'न्योता भोजन' समुदाय द्वारा प्रायोजित भोजन की एक पहल है, जिसका श्रेय यादव के स्कूल में छात्रों के पोषण में सुधार लाने को जाता है।'

सेन की 'ट्री टॉक' प्रणाली

राजस्थान के झालावाड़ स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के दिव्येंदु सेन को आभासी जीव विज्ञान प्रयोगशाला, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जीवविज्ञान शिक्षा और 'ट्री टॉक' क्यूआर आधारित वनस्पति अध्ययन प्रणाली जैसे कम लागत वाले और बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकने वाले समाधान विकसित करने के लिए सम्मानित किया गया है। इन पहलों को राजकीय विद्यालयों के छात्रों तक उच्च-स्तरीय 'स्टेम' (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित) शिक्षा पहुंचाने की उनकी क्षमता के लिए सराहा गया है।

रविवि प्रोफेसर चौधरी का भी हुआ सम्मान



हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर/नई दिल्ली

शिक्षक दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के शिक्षाविद् एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रोफेसर प्रो. (डॉ.) राजीव चौधरी को आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया। उच्च शिक्षा एवं पॉलिटेक्निक क्षेत्र के लिए इस वर्ष देशभर से चयनित 21 शिक्षकों/फैकल्टी सदस्यों में प्रो. चौधरी का चयन हुआ है। यह सम्मान उनके शिक्षण-अधिगम में उत्कृष्टता, नवाचार, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण, शोध एवं अनुसंधान, आउटरीच गतिविधियों तथा शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की चयन प्रक्रिया बहु-स्तरीय एवं कठोर रही, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र ज्यूरी द्वारा मूल्यांकन और संवाद शामिल था।

इससे पूर्व भी दो प्रतिष्ठित पुरस्कार

प्रो. चौधरी की यह उपलब्धि उनके दीर्घकालीन अकादमिक योगदान और राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता का परिणाम है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 से पूर्व उन्हें दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं। उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारी योगदान के लिए वर्ष 2019 में नेशनल काउंसिल फार टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) द्वारा 'बेस्ट टीचर एजुकेटर अवार्ड-2019' से सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त 2025 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन (आईआईटीई) गांधीनगर द्वारा उन्हें चाणक्य नेशनल अवार्ड-'बेस्ट टीचर एजुकेटर-2025' प्रदान किया गया। आईआईटीई गुजरात सरकार का शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित संस्थान है। यह पुरस्कार उनके शिक्षक-शिक्षा, शोध, नवाचार, मार्गदर्शन और अकादमिक नेतृत्व में योगदान के लिए प्रदान किया गया।

बुलंदशहर से पकड़ा गया था शुक्रवार को

स्वतंत्र को भेजा गया एक दिन की पुलिस रिमांड पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्र भारद्वाज को पुलिस ने बुलंदशहर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उसे एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। उसे कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में संबंधित जज के आवास पर पेश किया गया, जहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई।

सीजेपी के प्रदर्शन के बाद स्वतंत्र के खिलाफ दर्ज मामले में एससी-एसटीएक्ट की धारा जोड़ी गई थी। इसके अलावा उसके खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत भी एफआईआर दर्ज की गई। वहीं, शनिवार को स्वतंत्र के समर्थन में हिंदू संगठन पुलिस की एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए थाने के बाहर जुटे। इससे पहले शुक्रवार को प्रदर्शन के बाद दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्र भारद्वाज को हिरासत में लिया था। पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से पकड़ा। यह कार्रवाई एक वायरल पॉडकास्ट क्लिप सामने आने के बाद हुई, जिसमें आरोपी ने कथित तौर पर एक छात्रा के पिता पर हमला करने की बात कबूल की थी। मामला 23 जून 2026 का है, जब जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन चल रहा था। उस दौरान विवाद हुआ था।



स्वतंत्र के समर्थन में भी हुआ प्रदर्शन

जंतर-मंतर पर नाबालिग छात्रा के पिता से मारपीट के मामले में हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता स्वतंत्र भारद्वाज के समर्थन में पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्वतंत्र के खिलाफ गलत आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। इस दौरान हिंदू संगठन ने दिल्ली पुलिस को नाबालिग छात्रा और उसके पिता के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की शिकायत दी। संगठन का कहना है कि उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

कारोबारी सुभाष चंद्रा के खिलाफ हुई एफआईआर

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा के खिलाफ कथित तौर पर अपनी कुल संपत्ति बढ़ा-चढ़ाकर दिखाकर एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से कर्ज लेने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों के अनुसार, इन कर्जों के भुगतान में चूक होने से सार्वजनिक क्षेत्र की ऋणदाता कंपनी को 1,322 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। एलआईसीएचएफएल ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है, जो अब प्राथमिकी का हिस्सा है, कि चंद्रा ने अपनी कुल संपत्ति से जुड़े प्रमाण पत्र जमा किए थे।

इन्हीं प्रमाण पत्रों के आधार पर 980 करोड़ रुपये के दो कर्जों को मंजूरी दी गई और राशि जारी की गई। प्राथमिकी में नामजद आरोपी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

नेपाल त्रासदी में चमत्कार, 11 दिन बाद मलबे से निकलीं 2 जिंदगियां

एजेंसी ▶▶ नुवाकोट

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ से भारी तबाही मची। अब तक 1,344 के शव बरामद किए गए हैं, वहीं 5000 से अधिक लोग लापता हैं। इस बीच, बाढ़ और भूस्खलन की तबाही के बीच 11वें दिन राहत और उम्मीद की खबर सामने आई है। बचाव दल ने मलबे के भीतर से महिला समेत दो लोगों को जिंदा बाहर निकाल लिया। इतने लंबे समय तक मलबे में फंसे रहने के बाद दोनों का सुरक्षित मिलना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। नेपाल में नुवाकोट जिले के बेत्रावती में,

मलबे में दबे चार मंजिला घर की ऊपरी मंजिल में करीब दस दिन से फंसी 60 वर्षीय महिला को जिंदा बचाया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बिदुर नगर पालिका-10 के एक घर से चंद्रिका श्रेष्ठ बेहोशी की हालत में मिली। इसके अलावा, नेपाली सेना और दक्षिण कोरिया की रेस्क्यू टीम ने त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की एक सुरंग से चीनी व्यक्ति को बाहर निकाला। वह करीब 225 मीटर (740 फीट) लंबी सुरंग के अंदर था। सशस्त्र पुलिस बल की नौ-सदस्यीय टीम द्वारा बचाए जाने के

मलबे में दबे मकान में फंसी महिला का किया गया रेस्क्यू
589 विदेशी समेत 5000 से अधिक अभी भी लापता



बाद चंद्रिका श्रेष्ठ को शुरुआती इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से त्रिशूली स्थित नेपाली सेना की मैथिली बैरक ले जाया गया। अखबार ने नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय के हवाले से खबर दी कि जरूरत पड़ने पर श्रेष्ठ को इलाज के लिए काठमांडू ले जाया जा सकता है। भोटेकोशी नदी में 26 अगस्त को अचानक आई बाढ़ के 11वें दिन भी बचाव अभियान जारी है। इस बाढ़ से बड़े पैमाने पर तबाही हुई थी।

50 अमेरिकी फौजी अफसरों का किया गया पॉलीग्राफ टेस्ट

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

ईरान युद्ध से जुड़ी अहम जानकारी मीडिया तक पहुंचने के मामले में अमेरिका ने जांच तेज कर दी है। पेंटागन (संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग) ने करीब 50 ज्वाइंट स्टाफ सदस्यों का ट्रंप सरकार ने पॉलीग्राफ टेस्ट कराया है। जांच का मकसद यह पता लगाना है कि ईरान युद्ध से जुड़ी गोपनीय जानकारी पत्रकारों तक किसने पहुंचाई। जांच के दायरे में अमेरिकी सेना के ज्वाइंट स्टाफ से जुड़े करीब 50 लोग

ईरान जंग की सीक्रेट जानकारी लीक करने का शक



आए हैं। इनमें सैन्य अधिकारी के साथ कुछ नागरिक कर्मचारी भी शामिल हैं। पिछले महीने उनसे सवाल किए गए कि क्या उन्होंने अमेरिका के कम होते हथियारों के भंडार से जुड़ी जानकारी किसी पत्रकार को दी थी।

हथियारों की कमी की जानकारी : मामला सिर्फ सामान्य सैन्य जानकारी के लीक होने का नहीं है। जांच उन खबरों को लेकर हो रही है, जिनमें ईरान के साथ युद्ध के दौरान अमेरिका के कुछ जरूरी हथियारों की कमी की बात सामने आई थी। ऐसे हथियार युद्ध में बेहद अहम होते हैं, इसलिए इनसे जुड़ी जानकारी को संवेदनशील माना जाता है। अब अमेरिकी जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि सैन्य व्यवस्था के भीतर से यह जानकारी बाहर कैसे पहुंची. इसी वजह से ज्वाइंट स्टाफ से जुड़े लोगों से पूछताछ की गई। पॉलीग्राफ टेस्ट भी इसी जांच का हिस्सा है।

यूएन के प्रस्ताव के पक्ष में भारत समेत 164 देशों ने किया वोट

बदला दुनिया का नक्शा, अफ्रीका हुआ बड़ा, यूरोप-अमेरिका छोटे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया को देखने और समझने के तरीके में बड़ा बदलाव आने वाला है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को एक नए वर्ल्ड मैप को अपनाने के पक्ष में मतदान किया है। इस नक्शे में अफ्रीका का आकार पहले के मुकाबले बड़ा दिखाई देगा, जबकि उत्तरी अमेरिका और यूरोप छोटे नजर आएंगे। नए नक्शे को 'इक्वल अर्थ कार्टोग्राफिक प्रोजेक्शन' कहा जाता है।

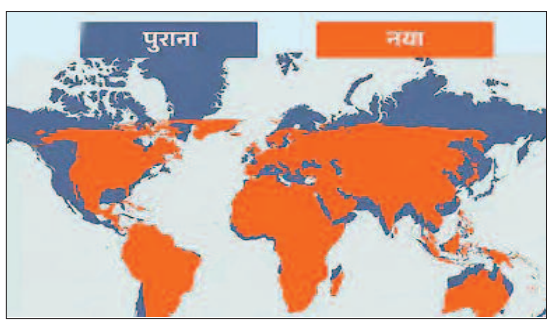
संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक इसका मकसद दुनिया के महाद्वीपों के भू-भाग को ज्यादा सटीक तरीके से दिखाना है। प्रस्ताव के पक्ष में भारत समेत 164 देशों ने वोट किया, जबकि अकेले अमेरिका ने इसके खिलाफ मतदान किया। छह देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया।

क्यों बदला जा रहा है दुनिया का पुराना नक्शा?

अब तक दुनिया में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाला मर्केटर प्रोजेक्शन 1569 में फ्लेमिश कार्टोग्राफर जेरार्डस मर्केटर ने तैयार किया था। इसे मुख्य रूप से समुद्री नौवहन के लिए डिजाइन किया गया था। इस नक्शे की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसमें धरती के ध्रुवों के पास मौजूद इलाके अपने वास्तविक आकार से काफी बड़े दिखाई देते हैं, जबकि भूमध्य रेखा के आसपास के इलाके अपेक्षाकृत छोटे नजर आते हैं। नए इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन का उद्देश्य इस विकृति को कम करना और महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सटीक तरीके से दिखाना है।

अकेले अमेरिका ने इसके खिलाफ किया मतदान

छह देशों ने वोटिंग में नहीं लिया हिस्सा



ऐसा दिखेगा भारत : भारत का क्षेत्रफल बिल्कुल वही रहेगा, सीमाएं नहीं बदलेंगी। हां आकृति थोड़ी बदली हुई/कम खिंची हुई दिखाई दे सकती है।दूसरे देशों की तुलना में भारत कुछ बड़ा दिखाई दे सकता है, खासकर जब उसकी तुलना यूरोप, रूस, कनाडा जैसे ज्यादा उत्तरी देशों से की जाए।

अमेरिका ने प्रस्ताव का विरोध क्यों किया?

अमेरिकी प्रतिनिधि यारिना फेरेन्सेविच ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को दुनिया की असली समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए, न कि 16वीं सदी के नक्शे को बदलने जैसी बहस पर। उन्होंने इसे एक वैचारिक एजेंडा बताया और कहा कि ऐसी बहसों की वजह से संयुक्त राष्ट्र अपनी विश्वसनीयता खो रहा है।

यह प्रस्ताव कानूनी तौर पर बाध्यकारी नहीं

हालांकि यह प्रस्ताव कानूनी तौर पर बाध्यकारी नहीं है। इसका मकसद सदस्य देशों को शिक्षा, संस्थानों और दूसरी जगहों पर ज्यादा सटीक वर्ल्ड मैप इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। भारतीय राजनयिक रघु पुरी ने यूएन में कहा, 'समान क्षेत्रफल वाले प्रोजेक्शन इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे महाद्वीपीय या क्षेत्रीय भू-भागों के सापेक्ष आकार और क्षेत्रफल को बनाए रखते हैं।'

AARTI GROUP 'ASHOKA' SINCE 1991
36 YEARS TRUST

PROPERTY FEST

ASHOKA PALM MEADOWS
APARTMENTS • PLOTS

आरती प्रॉपर्टी फेस्ट में
लाखों की बचत का आज अंतिम दिन

सिर्फ
20%
दीजिए।



और आज ही चाबी लीजिए।
अगले 18 महीने, कोई PAYMENT नहीं।





पहली 100 बुकिंग्स पर लकी ड्रॉ

1st PRIZE EV कार ₹30 लाख
2nd PRIZE EV कार ₹20 लाख
3rd PRIZE EV कार ₹10 लाख
4TH, 5TH, 6TH PRIZE EV टू-व्हीलर



हर बुकिंग पर एक लकी ड्रॉ कूपन



प्रीमियम रेसिडेंसियल प्लॉट्स
1,800 - 5,000 Sq.Ft.

म्युनिसिपल वाटर सप्लाई
24×7 सिक्योरिटी

आज ही निर्माण शुरू कीजिए।

अच्छी बसाहट, अच्छा प्लॉट, अच्छी कम्युनिटी

#BlueBanyan ATUL

WELCOME TO
THE GREEN SIDE OF RAIPUR

Near Kamal Vihar, Dunda, Raipur
CALL 91 94 03 03 03

*नियम व शर्तें लागू।
PCGRERA280525001934
PCGRERA280818000726

GOOGLE LOCATION

भारत सरकार ने अप्रैल से जून 2026 में देश की अर्थव्यवस्था में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि बताई है। सरकार ने आधार साल इसलिए बदला क्योंकि पहले का ढांचा पुराना पड़ गया था। नए तरीके से पिछले साल का आकार छोटा दिखा, इसलिए इस साल की बढ़ोतरी बड़ी दिखी। दो अलग तरीकों को मिलाना गलत है। सरकार का दावा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़ने की बजाय उनके करीब गई है-खासकर डबल डिफ्लेशन से। आम आदमी के लिए सरल बात यह है: 7.8 प्रतिशत नए मीटर से नापा गया आंकड़ा है। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि यह आंकड़ा बनावटी है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग के अनुसार अगर पिछले साल का हिसाब पुराने तरीके से रखा जाता तो बढ़ोतरी सिर्फ करीब 2.6 प्रतिशत दिखती। यह जीडीपी पर कथित विवाद सांख्यिकी के अधूरे ज्ञान और भ्रामक मापन पद्धतियों का उपयोग करके एक नैगेटिव नैरेटिव स्थापित करने का मामला है। दो अलग-अलग आधार वर्षों वाली सीरीज के आंकड़ों को मिलाकर 2.6% का आंकड़ा निकालना सांख्यिकीय दृष्टिकोण से पूरी तरह अमान्य है। दूसरी ओर, भारत ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रफ्तार थामी जरूर है, लेकिन अब जरूरत इस रफ्तार को लंबे समय तक टिकाऊ, रोजगारपरक और समावेशी बनाने की है। यही आर्थिक मजबूती की असली कसौटी होगी। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

आधार वर्ष बदला, तराजू नया तो तुलना पुरानी कैसे?



विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारत सरकार ने कहा कि अप्रैल से जून 2026 में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह सुनकर कई लोग खुश हुए। कुछ लोगों ने कहा कि आंकड़ा बनावटी है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग बोले कि अगर पिछले साल का हिसाब पुराने तरीके से रखा जाता तो बढ़ोतरी सिर्फ करीब 2.6 प्रतिशत दिखती। आम आदमी का सवाल साफ है कि सच क्या है? जीडीपी का मतलब है देश में एक तिमाही या एक साल में जितना सामान और सेवाएं बनती हैं, उसकी कुल कीमत। किसान का अनाज, कारखाने की चीजें, दुकान की बिक्री, बैंक, अस्पताल, स्कूल, सब जोड़कर जीडीपी बनती है। जीडीपी दो तरह की होती है। एक है मौजूदा दामों वाली जीडीपी। इसमें महंगाई शामिल रहती है। दूसरी है असली जीडीपी। इसमें महंगाई निकाल दी जाती है। सरकार का 7.8 प्रतिशत असली जीडीपी की बढ़ोतरी है। फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी नापने का तरीका बदला। पहले तुलना का आधार साल 2011-12 था। अब आधार साल 2022-23 हो गया। सोचिए, पुराने तराजू की जगह नया तराजू आ गया। दोनों सही हो सकते हैं, लेकिन एक तराजू का वजन दूसरे तराजू से सीधा नहीं मिलाया जा सकता। पुराने तरीके से अप्रैल-जून 2025 की जीडीपी लगभग 86 लाख करोड़ रुपये बताई गई थी। नए तरीके से वही तिमाही लगभग 80 लाख करोड़ रह गई। इस साल अप्रैल-जून 2026 की जीडीपी नए तरीके से लगभग 88 लाख करोड़ बताई गई। अगर कोई 88 की तुलना पुराने 86 से करे तो बढ़ोतरी बहुत छोटी-करीब 2.6 प्रतिशत दिखती है।

सरकार कहती है कि तुलना नए तरीके के पिछले साल यानी करीब 80 से करो। तब नाममात्र बढ़ोतरी 10.3 प्रतिशत और महंगाई निकालकर 7.8 प्रतिशत बनती है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के पूर्व संपादक राकेश सूद कहते हैं कि दस-बारह साल में देश बहुत बदल जाता है। पहले जो चीजें ज्यादा बनती थीं, अब उनकी जगह मोबाइल ऐप, डिजिटल पेमेंट और नई सेवाएं आ गईं। पुराने साल को आधार रखने से तस्वीर पुरानी रह जाती है।

जीडीपी का मतलब है देश में एक तिमाही या एक साल में जितना सामान और सेवाएं बनती हैं, उसकी कुल कीमत। किसान का अनाज, कारखाने की चीजें, दुकान की बिक्री, बैंक, अस्पताल, स्कूल, सब जोड़कर जीडीपी बनती है। जीडीपी दो तरह की होती है। एक है मौजूदा दामों वाली जीडीपी। इसमें महंगाई शामिल रहती है। दूसरी है असली जीडीपी। इसमें महंगाई निकाल दी जाती है। सरकार का 7.8 प्रतिशत असली जीडीपी की बढ़ोतरी है। फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी नापने का तरीका बदला। पहले तुलना का आधार साल 2011-12 था। अब आधार साल 2022-23 हो गया। सोचिए, पुराने तराजू की जगह नया तराजू आ गया। दोनों सही हो सकते हैं, लेकिन एक तराजू का वजन दूसरे तराजू से सीधा नहीं मिलाया जा सकता।



दो अलग तरीकों को मिलाना गलत

जीडीपी से निकली महंगाई बाजार की महंगाई से काफी कम दिखती है। कई लोग पूछते हैं-अगर अर्थव्यवस्था इतनी तेज दौड़ रही है तो नौकरियां और आम आदमी की जेब क्यों उतनी नहीं सुधरतीं? रघुराम राजन जैसे अर्थशास्त्री यही पूछते हैं। कांग्रेस कहती है कि कई सालों के आंकड़े बड़ी मात्रा में घटाए गए, पूरा ब्योरा साफ नहीं है। ये सवाल जायज हैं। अच्छा आंकड़ा सिर्फ ऊंचा प्रतिशत नहीं होता। समझ में आने वाला हिसाब और रोजमर्रा की जिंदगी से मेल भी चाहिए। सरकार ने आधार साल इसलिए बदला क्योंकि पुराना ढांचा पुराना पड़ गया था। नए तरीके से पिछले साल का आकार छोटा दिखा, इसलिए इस साल की बढ़ोतरी बड़ी दिखी। दो अलग तरीकों को मिलाना गलत है। सरकार का दावा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़ने की बजाय उनके करीब गई है-खासकर डबल डिफ्लेशन से। आम आदमी के लिए सरल बात यह है: 7.8 प्रतिशत नए मीटर से नापा गया आंकड़ा है। पुराने मीटर से मिलाकर निकला 2.6 प्रतिशत तुलना की गलती है। विश्वास तभी बढ़ेगा, जब हर क्षेत्र का साफ हिसाब और पुराने सालों की पूरी तुलना सबके सामने हो।

सिंगल डिफ्लेशन था पुराना तरीका

दुनिया के ज्यादातर देश हर पांच-सात साल में आधार साल बदलते हैं। भारत में यह काम देर से हुआ, क्योंकि बीच में जीएसटी आया और कोविड पड़ा। 2022-23 इसलिए चुना गया कि वह साल ज्यादा असामान्य नहीं माना गया। सिर्फ साल नहीं बदला। अब जीएसटी के आंकड़े, गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन, सरकारी खर्च के डिजिटल रिकॉर्ड और नए कीमत सूचकांक भी इस्तेमाल होते हैं। असली जीडीपी निकालने के लिए महंगाई काटनी पड़ती है। इसे डिफ्लेशन कहते हैं। यानी दाम की हवा निकालना, ताकि पता चले कि असल में कितना ज्यादा सामान बना, सिर्फ महंगा तो नहीं हो गया। पुराना तरीका अक्सर सिंगल डिफ्लेशन था। कारखाने की तैयार चीज की कीमत से महंगाई एक बार काट दी जाती थी। दिक्कत यह है कि कारखाने का मुनाफा या मूल्य सिर्फ तैयार माल से नहीं बनता। आटा महंगा हो और रोटी सस्ती बिके, तो बेकर की कमाई घट जाती है।

असली मूल्य-वृद्धि साफ दिखती है

सिर्फ रोटी के दाम से हिसाब लगाने पर असली हाल छिप सकता है। डबल डिफ्लेशन में दो बार काटा जाता है। एक बार तैयार माल की महंगाई काटी जाती है। कितनी रोटियां बनीं। दूसरी बार कच्चे माल की महंगाई काटी जाती है-आटा, तेल, बिजली कितने महंगे हुए। दोनों का अंतर निकालकर पता चलता है कारखाने ने असल में कितना मूल्य जोड़ा। उदाहरण से समझिए। मान लीजिए एक कारखाना पंखे बनाता है। पंखे के दाम 8 प्रतिशत बढ़े, लेकिन लोहा और मोटर 12 प्रतिशत महंगे हो गए। सिंगल तरीके में सिर्फ पंखे की महंगाई काटने से उत्पादन अच्छा दिख सकता है। डबल तरीके में महंगे कच्चे माल को भी हिसाब में लिया जाता है, इसलिए असली मूल्य-वृद्धि कम या ज्यादा साफ दिखती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, खासकर आईएमएफ, विनिर्माण के लिए इसी तरीके को बेहतर मानती हैं। भारत ने नई श्रृंखला में कारखानों के लिए इसे बढ़ाया है।

आधार साल बदलना आम चलन

पहले कई जगह पुराने थोक महंगाई सूचकांक पर ज्यादा निर्भरता थी। कुछ जानकार कहते हैं सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मापदंड तोड़े। कहानी उलटी है। आईएमएफ ने पहले भारत के जीडीपी आंकड़ों को "सी" ग्रेड दिया था। कारण थे बहुत पुराना आधार साल और कमजोर नापने का तरीका। नई श्रृंखला इन्हीं कमियों को ठीक करने की कोशिश है। आधार साल बदलना नियम तोड़ना नहीं, आम चलन है। एक तिमाही में अचानक बड़ी गिरावट दिखना आम आदमी को शक दिलाता है। पूर्व मुख्य सांख्यिकी विद प्रणब सेन ने कहा कि आंकड़े फर्जी नहीं लगते, लेकिन दिखने का तरीका खराब है। पुरानी गणना में अर्थव्यवस्था कुछ ज्यादा बड़ी बताई जा रही थी, नई गणना ने उसे काटा। एक ही नए तरीके के अंदर हिसाब लगाएं तो 7.8 प्रतिशत सही गणना है। 2.6 प्रतिशत तब निकलता है जब पुराना तराजू और नया तराजू मिला दिए जाएं। सांख्यिकी में यह मिलावट गलत मानी जाती है।

उथल-पुथल के बावजूद नहीं थमी अर्थव्यवस्था की रफ्तार



आर्थिकी

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

आज भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। इतनी बड़ी आबादी वाले देश को आर्थिक और सामाजिक स्तर पर संभालना अपने आप में बड़ी चुनौती है। भारत की आबादी कई देशों की कुल आबादी से भी अधिक है और कई देशों की आबादी जितनी है, उतनी हमारे एक राज्य की आबादी है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई, सप्लाई चेन में व्यवधान और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत मजबूत रफ्तार बनाए रखी है।

अप्रैल-जून 2026 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो बाजार और आरबीआई के अनुमान से भी अधिक थी। यह आंकड़ा बताता है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है। भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। पहली तिमाही में निजी खपत करीब 7.1 प्रतिशत बढ़ी। इसका अर्थ है कि वैश्विक मांग कमजोर होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह निर्यात पर निर्भर नहीं है। देश के भीतर बढ़ती खपत आर्थिक गतिविधियों को लगातार सहारा दे रही है। सड़क, रेलवे, बंदरगाह, मेट्रो, बिजली और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सरकारी निवेश लगातार बढ़ा है। इससे निर्माण क्षेत्र के साथ-साथ उससे जुड़े उद्योगों में भी मांग पैदा हुई है। अप्रैल-जुलाई 2026 में केंद्र सरकार का पूंजीगत खर्च करीब 30 प्रतिशत बढ़ा।यह निवेश केवल तत्काल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा नहीं देता, बल्कि भविष्य की उत्पादन क्षमता और रोजगार के लिए भी आधार तैयार करता है। अब केवल सरकार ही निवेश का इंजन नहीं है। अप्रैल-जून तिमाही में निजी निवेश में करीब 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन यानी जीएफसीएफ जीडीपी के 34.3 प्रतिशत तक पहुंच गया। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी अर्थव्यवस्था के विस्तार को अधिक टिकाऊ बनाने का कार्य हुआ है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में करीब 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट और आईटी से जुड़े क्षेत्रों में लगभग 12.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत की मजबूत सर्विस अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक झटकों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच बनकर उभरी है।डिजिटल भुगतान, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बैंकिंग प्रणाली के विस्तार ने अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को औपचारिक बनाने में मदद की है। इससे टैक्स संग्रह, क्रेडिट की उपलब्धता और कारोबार की निगरानी में सुधार हुआ है। जीसीआरए ने भी जीएसटी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को भारत की आर्थिक मजबूती के महत्वपूर्ण आधारों में शामिल किया है। जीडीपी की 7-8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से अच्छी खबर है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या इस आर्थिक वृद्धि का पर्याप्त लाभ रोजगार और आम लोगों की आय में भी दिखाई दे रहा है? यही भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। तेज आर्थिक वृद्धि को बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण रोजगार में बदलना होगा। मजदूरी में वृद्धि और लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। केवल जीडीपी का बढ़ना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसका लाभ समाज के व्यापक हिस्से तक नहीं पहुंचता। भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के लिए लॉजिस्टिक्स, बिजली, जमीन और नियामकीय बाधाओं को कम करना होगा। छोटे और मध्यम कारोबारों को सस्ता तथा आसान ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके लिए बड़े बाजार खोलना भी जरूरी है। कृषि क्षेत्र भी अभी मौसम और सिंचाई पर काफी निर्भर है। कमजोर मानसून का असर सीधे ग्रामीण आय और खाद्य कीमतों पर पड़ सकता है। इसलिए सिंचाई, कृषि तकनीक और भंडारण व्यवस्था में निवेश बढ़ाना जरूरी है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में भू-राजनीतिक संकट के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर महंगाई और चालू खाते के घाटे पर पड़ सकता है।जुलाई 2026 में खुदरा महंगाई 4.45 प्रतिशत रही, जबकि खाद्य महंगाई 5.52 प्रतिशत तक पहुंच गई। ऐसे में ऊर्जा और खाद्य कीमतों पर नियंत्रण आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आईटी से आगे बढ़ना अनिवार्य है। भारत की आईटीऔर डिजिटल सेवाएं वैश्विक स्तर पर मजबूत हैं, लेकिन निर्यात को और व्यापक बनाने की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, मशीनरी, टेक्सटाइल और अन्य विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात में बड़े स्तर पर विस्तार भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में और मजबूत स्थान दिला सकता है। आगे की राह भी अनिवार्य है।भारत की आर्थिक मजबूती का मौजूदा मॉडल तीन प्रमुख स्तंभों पर खड़ा दिखाई देता है—घरेलू खपत, सरकारी पूंजीगत निवेश और तेजी से बढ़ता निजी निवेश। वैश्विक संकट के बीच यही संयोजन भारतीय अर्थव्यवस्था को अपेक्षाकृत मजबूती प्रदान कर रहा है। लेकिन अगले चरण की चुनौती इससे कहीं बड़ी है। भारत को तेज जीडीपी वृद्धि को तेज रोजगार, बढ़ती मजदूरी और व्यापक समृद्धि में बदलना होगा। यानी भारत ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रफ्तार थामी जरूर है, लेकिन अब जरूरत इस रफ्तार को लंबे समय तक टिकाऊ, रोजगारपरक और समावेशी बनाने की है। यही आर्थिक मजबूती की असली कसौटी होगी।

भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के लिए लॉजिस्टिक्स, बिजली, जमीन और नियामकीय बाधाओं को कम करना होगा। छोटे और मध्यम कारोबारों को सस्ता तथा आसान ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके लिए बड़े बाजार खोलना भी जरूरी है।

वैचारिक मतभेद बनाम निजी खुन्नस



चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिमी एशिया और रूस-यूक्रेन की लड़ाई के चलते दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खा रहीं हैं। ऐसे में जब यह आंकड़ा आया कि देश की जीडीपी की विकासदर 7.8 प्रतिशत रही है, अव्वल तो खुशी का माहौल होना चाहिए था। लेकिन इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की बुनियाद बना है पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग का दावा। उनका कहना है कि जीडीपी आधार को 86 लाख करोड़ से घटाकर 80 लाख करोड़ कर दिया है।

इस लिहाज से यह दर शून्य से लेकर 2.6 प्रतिशत तक ही बैठती है। सरकार के आंकड़ों की कोई पूर्व रसूखदार अधिकारी खिल्ली उड़ाए और उसे विपक्ष न ले उड़ता तो हैरत ही होती, लेकिन ऐसा हो रहा है। इसकी वजह यह है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ी वैचारिक खाई निजी खुन्नस और दुश्मनी तक पहुंच गई है। इस वजह से दोनों ही पक्षों में एक-दूसरे को लेकर भरोसे का रिश्ता नहीं रह गया है। यही वजह है कि देश को जोड़ने और आगे बढ़ाने वाले जब भी कोई मुद्दा या आंकड़ा सामने आता है, विपक्ष उसकी विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े करने लगता है। ऐसा नहीं कि अतीत में विपक्ष सरकार को नहीं घेरता रहा है। लेकिन तब भी यह ध्यान रखा जाता था कि राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को लेकर ऐसे कदम न उठाए जाएं या ऐसे बयान न दिए जाएं, जिससे देश की छवि पर आंच पहुंचे। अगर ऐसा नहीं होता तो मानवाधिकार के मामले पर नेता प्रतिपक्ष पाकिस्तान की मुखालफत करने के लिए जेनेवा जाने वाले सरकारी दल की अगुआई नहीं करता। भारत ने जब-जब परमाणु परीक्षण किया, तत्कालीन विपक्ष उसके साथ रहा। वाजपेयी के पोखरण परीक्षण के बाद तो अमेरिका ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे, लेकिन कांग्रेस ने तब भी वाजपेयी सरकार पर सवालिया निशान नहीं लगाए थे। आज के दौर में अगर मोदी सरकार ऐसा कोई परीक्षण करती है तो उससे आज का विपक्ष सबूत मांगेगा। इसी तरह जीडीपी के आंकड़ों को लेकर भी मोदी सरकार को झूठा ठहराने की कोशिश हो रही है। चीन गलवान कांड के दौरान भारतीय सीमावर्ती कमांड के चीफ रहे जनरल को बर्खास्त कर देता है, फिर भी राहुल गांधी की अगुआई में विपक्ष अब भी प्रचारित करने से परहेज नहीं कर रहा है कि गलवान घाटी में भारतीय सेना को चीन ने हराया और चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी की ओर से बार-बार ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिसका संकेत तो यही लगता है कि वे भारत की छवि को खराब कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की इस प्रवृत्ति को राष्ट्रीयता बनाम राजनीति के बहस के दायरे में लाकर राहुल गांधी पर सवालों की बौछार करती रहती है। विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है और इसके सिस्टम में 'बहुत गलत' है। हालांकि चुनाव आयोग ऐसे आरोपों का जवाब देता रहा, लेकिन विपक्ष की जुबान नहीं रुकी। इसी तरह बीते लोकसभा चुनाव के बाद अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में राहुल ने कहा था, 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा हुआ है, अब यह लड़ रहा है। 'इसी तरह सितंबर 2023 में राहुल ने यूरोपीय यूनियन को संबोधित करते हुए ब्रसेल्स में कहा था कि भारत में भेदभाव और हिंसा बढ़ रही है। इस तरह के बयानों से राहुल जहां भारत के आंतरिक मामलों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाते रहे हैं, वहीं इसके जरिए वे भारतीय संस्थाओं को खुद ही बदनाम करते हैं। ऐसे बयानों से अक्सर वे भारत को ही सवालों के घेरे में रखते हैं और इस तरह देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उनके ऐसे बयानों को बाद में समूचा विपक्ष और ले उड़ता है और जगह-जगह भारतीय छवि को नुकसान पहुंचाता है। ऐसा ही इस बार जीडीपी को लेकर हो रहा है। विपक्ष को भूलना नहीं चाहिए कि ऐसे सवाल उठाकर वह भारतीय सरकार को नहीं, भारत की छवि को खराब कर रहा है। उसे देखना होगा कि भारत के आंकड़ों को विश्व बैंक ने भी मान्यता दे दी है। ऐसे में सवाल विपक्षी सोच पर भी उठता है। उसे भी सोचना होगा कि राष्ट्रीय विकास और हित में उसकी भी अपनी सकारात्मक भूमिका है और उसे निभाना होगा।



विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है और इसके सिस्टम में 'बहुत गलत' है।

बेतुके तर्कों के गढ़ते नेगेटिव नैरेटिव



विवाद

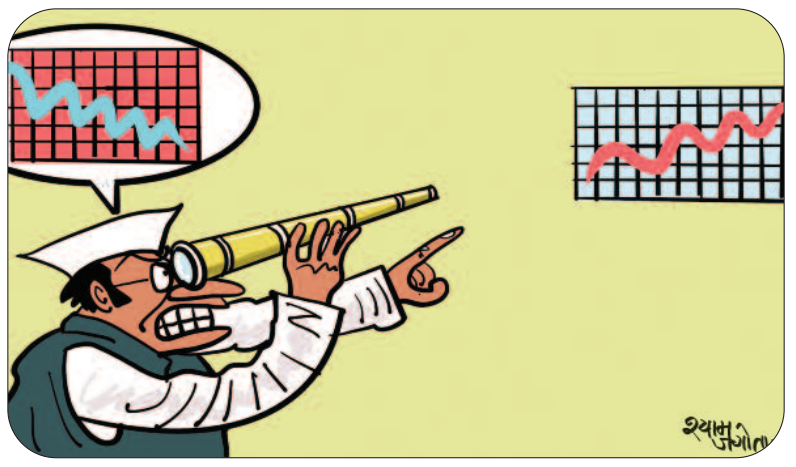
डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय लेखा प्रणाली में डेटा और सांख्यिकीय पद्धतियों का बहुत महत्व है। जब देश के वित्त सचिव पद पर रह चुका वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर की गणना पर सवाल उठाता है तो बहस का विषय बनना स्वाभाविक है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग द्वारा जीडीपी आंकड़ों पर दिए तर्क के बाद देश के आर्थिक और राजनीतिक हलकों में एक तीखी बहस छिड़ गई। गर्ग का दावा था कि देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% न होकर मात्र 2.6% के आसपास है।

उनके दावे के बाद आर्थिक सांख्यिकी विशेषज्ञों, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और आर्थिक सलाहकारों ने उनके विश्लेषण की बुनियादी खामियों को उजागर किया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने आधार वर्ष 2022-23 की नई जीडीपी सीरीज के तहत वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों के अनुसार पहली तिमाही की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% और सांकेतिक जीडीपी 88.27 लाख करोड़ है। सुभाष चंद्र गर्ग का तर्क था कि पिछले वर्ष की पहली तिमाही की नॉमिनल जीडीपी का आंकड़ा पुरानी सीरीज (2011-12 आधार वर्ष) के तहत 86.05 लाख करोड़ बताया गया था। जब सरकार ने नई सीरीज (2022-23 आधार वर्ष) जारी की तो उन्होंने पहली तिमाही के नॉमिनल जीडीपी के आंकड़े को संशोधित कर 80.00 लाख करोड़ कर दिया। गर्ग का आरोप है कि सरकार ने पिछले साल के जीडीपी आंकड़े में लगभग 6 लाख करोड़ का बेस घटाकर चालू वर्ष की वृद्धि दर को कृत्रिम रूप से बढ़ाकर दिखाया है। वास्तविक आधार पर देश की आर्थिक वृद्धि शून्य के करीब है।

अर्थशास्त्र और राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के मूलभूत सिद्धांतों के तहत सुभाष गर्ग का यह विश्लेषण गंभीर सांख्यिकीय विसंगति का शिकार माना गया। उन्होंने नई और पुरानी सीरीज का बेमेल मिश्रण कर दिया। सांख्यिकी और अर्थशास्त्र का पहला नियम यह है कि दो अवधियों के आंकड़ों की तुलना केवल तभी संभव है जब आधार वर्ष, डेटा स्रोत और मापन पद्धति समान हों। गर्ग ने अंश (न्यूमिनेटर) में नई सीरीज (बेस ईयर 2022-23) का आंकड़ा (88.27 लाख करोड़) और हर (डिनोमिनेटर) में पुरानी सीरीज (बेस ईयर 2011-12) का आंकड़ा (86.05 लाख करोड़) रख दिया। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और आर्थिक सलाहकारों ने इसे 'सेब की तुलना संतरों से करना' करार दिया। जब भी सांख्यिकी मंत्रालय आधार वर्ष बदलता है तो वह पुरानी ऐतिहासिक श्रृंखला को नई कार्यप्रणाली और व्यापक डेटा कवरेज के आधार पर पुनः कैलकुलेट करता है। नई 2022-23 सीरीज में केवल कीमतें ही नहीं बदलीं, बल्कि जीएसटी डेटा का व्यापक समावेश, नए कॉर्पोरेट फाइलिंग और डबल डिफ्लेशन जैसे सुधार लागू किए गए। जब पहली तिमाही को नई सीरीज के तहत पुनः मापा गया तो सही नॉमिनल बेस 80.00 लाख करोड़ निकला। नई सीरीज के समान मानकों पर वृद्धि दर की सही सांख्यिकीय तुलना की गई। जब नॉमिनल ग्रोथ 10.3% रही और जीडीपी डिफ्लेटर का प्रभाव हटाया गया तो वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% ही निकलती है। गर्ग ने 2.6% की जिस दर की बात की वह नॉमिनल वृद्धि दर की गलत तुलना थी। उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसे इस तरह पेश किया जैसे यह देश की वास्तविक विकास दर हो। एक पूर्व वित्त सचिव द्वारा महंगाई-समायोजित रियल जीडीपी और नॉमिनल जीडीपी के बुनियादी अंतर की उपेक्षा करना बेहद चौंकाने वाला माना गया। एक शीर्ष आईएएस अधिकारी और पूर्व वित्त सचिव के दावे का व्यापक विरोध और उपहास होने के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं। जीडीपी पर कथित विवाद सांख्यिकी के अधूरे ज्ञान और भ्रामक मापन पद्धतियों का उपयोग करके एक नैगेटिव नैरेटिव स्थापित करने का मामला है। दो अलग-अलग आधार वर्षों वाली सीरीज के आंकड़ों को मिलाकर 2.6% का आंकड़ा निकालना सांख्यिकीय दृष्टिकोण से पूरी तरह अमान्य था। यही वजह रही कि आर्थिक जगत, सांख्यिकी मंत्रालय और नीति-निर्माताओं ने एक स्वर में उनके दावे को खारिज कर दिया।



सुभाष गर्ग का यह विश्लेषण गंभीर सांख्यिकीय विसंगति का शिकार माना गया। उन्होंने नई और पुरानी सीरीज का बेमेल मिश्रण कर दिया। सांख्यिकी और अर्थशास्त्र का पहला नियम यह है कि दो अवधियों के आंकड़ों की तुलना केवल तभी संभव है जब आधार वर्ष, डेटा स्रोत और मापन पद्धति समान हों।

तरकश

संजय के. दीक्षित

अब जनवरी में ट्रांसफर

आईएएस, आईपीएस और आईएफएस के ट्रांसफर का अब एक दौर कंप्लीट हो गया है। अगली लिस्ट अब जनवरी एंड तक निकलेगी। तब तक आईएएस का 2011 बैच सेकेट्री प्रमोट हो जाएगा. जनवरी में रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला रिटायर होंगे। उसी समय रायपुर में नए पुलिस कमिश्नर के साथ दुर्ग, भिलाई, कोरबा, जगदलपुर, मुंगेली के एसपी बदले जाएंगे। इसी तरह कलेक्टरों के तबादले भी अब जनवरी में ही होंगे। तब हो सकता है कि रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग तीनों जिलों के कलेक्टर चेंज हो जाएं। अब प्रश्न ट्रांसफर जनवरी में क्यों? तो संभवतः सरकार का प्रयास होगा...बड़े जिलों में ऐसे समय पर कलेक्टर, एसपी पोस्ट किया जाए, जो नवंबर 2028 में विधानसभा चुनाव कराएं। जनवरी में पोस्ट करने पर वे दो साल के खतरे से बच जाएंगे। वरना, चुनाव के दौरान उन पर तलवार लटकी रहेगी। जाहिर है, अक्टूबर में मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट प्रभावशील हो जाता है। और दोनों चरण की पोलिंग तक अफसरों की जान सांसत में रहती है। बहरहाल, जनवरी से पहले कोई हिट विकेट हो गया तो फिर बात और...तब तो सरकार को मजबूरी में हटाना पड़ेगा। वरना जनवरी में ही...।

कलेक्टरी में सबसे आगे

इस समय कलेक्टरी में छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस अधिकारी देश में सबसे आगे चल रहे हैं। बाकी राज्यों में आईएएस में सलेक्ट होने के बाद सात-आठ साल से पहले चांस नहीं मिलता। जबकि, छत्तीसगढ़ में इस समय 2019 बैच कलेक्टरी में कंप्लीट हो गया है। वहीं, बाकी कई राज्यों में अभी 2019 बैच शुरू नहीं हुआ है। सुनने में आ रहा, छत्तीसगढ़ में भी अब 2020 बैच को अगले साल ही जाकर मौका मिलेगा। तब तक इस बैच को डीएम बनने के लिए वेट करना होगा।

ओबीसी या ब्राम्हण चेहरा!

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव अस्वस्थ चल रहे, इसलिए पार्टी के कामकाज को संभालने कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की अटकलें बड़ी तेज़ हैं। हालांकि, खबर प्रदेश अध्यक्ष बदलने की उड़ गई थी...संवाद प्रमुख हेमंत प्राणग्राही को बयान जारी कर उसे खारिज करना पड़ा। अलबत्ता, ये अवश्य है कि पार्टी के अंदरखाने में कार्यकारी अध्यक्ष को लेकर बड़ा मंथन चल रहा। पब्लिक डोमेन में नाम भी कई लिए जा रहे...केंद्रीय मंत्री तोखन साहू से लेकर सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा तक। मगर भीतर की खबरों की मानें तो तोखन और संतोष का पलड़ा भारी दिखाई पड़ रहा। संतोष पाण्डेय का नाम चूकि संघ से बढ़ाया गया है, सो उनका नाम अपेक्षाकृत थोड़ा वजनी प्रतीत हो रहा। यूपी में विधानसभा चुनाव और वहां ब्राम्हणों की नाख़ुशी को देखते बीजेपी यह दांव चल सकती है। किंतु यह भी सही है कि बीजेपी अपने फैसलों से चौंकाती रहती है...कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति में भी ऐसा कुछ कर दें तो अचरज नहीं।

150 करोड़ में जीरो आईएएस

छत्तीसगढ़ के आदिवासी और अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को आईएएस बनाने सरकार प्रति स्टूडेंट पौने दो लाख रुपए कोचिंग संस्था को भुगतान करती है। इसके लिए हर साल 200 बच्चों का सलेक्शन किया जाता है। पौने दो लाख को 200 से मल्टीप्लाई करें तो साल भर का सिर्फ कोचिंग फी हुआ साढ़े तीन करोड़। 25 साल का कैलकुलेट करें तो यह 87.50 करोड़ बैठेगा। इसके अलावा दिल्ली में आवास और खाने-पीने पर लाखों रुपए खर्च, वो अलग। मगर हासिल क्या आया, वो सबके सामने है। छत्तीसगढ़ में आदिवासी बच्चों को आईएएस बनाने का यह खेला पिछले 25 बरसों से चल रहा, मगर सिस्टम में बैठे लोगों को कभी पूछने का फुरसत नहीं मिला कि करोड़ों रुपए स्वाहा करने के बाद रिजल्ट क्यों नहीं मिल रहा। अब सुनने में आ रहा, सरकार कोचिंग में भीड़ बढ़ाने की बजाए सलेक्शन प्रॉसेज को ठीक कर अब सिर्फ 25 छात्रों को चुनेगी और कोशिश की जाएगी कि हर साल उनमें से दो-चार का यूपीएससी में सलेक्शन हो जाए। हालांकि, सरकार को 'प्रयास'' योजना का भी रिव्यू करना चाहिए। 'प्रयास' के तहत छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर समेत 18 जगहों पर आदिवासी बच्चों को जेई, आईआईटी की कोचिंग कराई जा रही। इसमें हर साल करीब 8000 बच्चों को सलेक्ट किया जाता है। सरकार एक स्टूडेंट पर 62 हजार रुपए पेमेंट करती है कोचिंग संस्था को। याने साल में करीब 49 करोड़। अब सवाल उठता है, इतने पैसे खर्च करने के बाद भी क्या अपेक्षित रिजल्ट आ रहा?

मंत्रालय में रिफार्म

मंत्रालय के कामकाज में कसावट लाने की दिशा में जीएडी बड़ा काम करने जा रहा है। ई-ऑफिस और ऑनलाइन अटेंडेंस के बाद मंत्रालयीन कैडर को स्ट्रांग किया जाएगा। अभी तो स्थिति ये है कि 80 परसेंट से अधिक सेक्शन ऑफिसर से लेकर अंडर सिकेट्री बाबू या भृत्य लेवल से प्रमोट हुए हैं। वो इसलिए कि मंत्रालय में प्रमोशन बड़ा फास्ट होता है, सो बाबू तो अफसर बन ही जाते हैं, भृत्य भी पीछे नहीं रहते। खैर, छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद अभी तक जूनियर सचिवालय सहायक पदों पर भर्ती होती थी। और वही बाद में प्रमोट होकर सीनियर सचिवालय सहायक और असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर बनते हैं। मगर अब सीधे असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर पद पर भर्ती होगी। असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर ही प्रमोट होकर सेक्शन ऑफिसर और फिर अंडर सिकेट्री प्रमोट होंगे। जीएडी के अफसरों का मानना है कि इससे कामकाज की गुणवता सुधरेगी। बाकी राज्यों के मंत्रालयों में भी असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर पद पर ही भर्ती होती है। बहरहाल, जीएडी ने सेटअप रिवीजन के साथ कैडर रिवीजन के लिए तीन अफसरों की कमेटी बना दी है।

दीया तले अंधेरा!

सरकार ने पिछले दिनों एक महत्वपूर्ण आदेश निकाला था, उसमें कहा गया था कि अधिकारी, कर्मचारी का तीन साल में डेस्क बदलना अनिवार्य होगा। कहा ये भी गया... कामकाज की सहूलियत के लिए एक सिकेट्री के साथ एक अधीनस्थ रहेगा। यानी एक सिकेट्री के अधीन एक डिप्टी सिकेट्री। मगर मंत्रालय में एक डिप्टी सिकेट्री न केवल सात सालों से एक ही विभाग में जमे हैं बल्कि उनके पास पंजीयन, सामान्य प्रशासन विभाग, जीएसटी और विमानन जैसे अहम विभाग हैं। मतलब एक अफसर चार-चार विभाग। अफसर को नियमों का बड़ा जानकार माना जाता है, मगर अंग्रेजों के समय का सिस्टम अभी भी चल रहा तो फिर उनके ज्ञान का क्या मतलब? खैर, सिस्टम को समय रहते नए लोगों को तैयार करना चाहिए। इससे व्यक्ति विशेष पर निर्भरता नहीं रहती। पहले भी कई विभागों में ऐसे अफसर रहे, जिन्हें रिटायरमेंट के बाद भी संविदा में रखा गया...यह कहकर कि वे नहीं रहेंगे तो विभाग नहीं चल पाएगा। मगर 70 साल एज होने के बाद उनकी संविदा पोस्टिंग खतम हुई, तो भी विभाग चल रहा है। यानी मिथक टूट गया कि फलां नहीं रहेंगे तो काम नहीं हो पाएगा।

अफसर को नौ बार दस्त



किस्सा बड़ा मजेदार है... सिस्टम की पोल खोलने वाला भी। दरअसल, बिलासपुर हाई कोर्ट ने एक केस के सिलसिले में सूरजपुर जिला पंचायत के एक अफसर को 17 अगस्त को तलब किया था। अफसर ने कोर्ट के फरमान को हल्के में ले लिया। नहीं पहुंचे अदालत में। इस पर कोर्ट ने कंटेम्ट का नोटिस दे दिया, उपर से विभागीय प्रमुख होने के नाते प्रमुख सचिव पंचायत निहारिका बारिक से शपथ मांगने का आदेश भी। इसके बाद 2 सितंबर को जिपं अफसर कोर्ट पहुंचे। उन्होंने कहा, मैं बीमार हो गया था। हुजूर...दिन भर में नौ बार दस्त हो गया। सूरजपुर जिला अस्पताल में इलाज हुआ, डॉक्टर ने उन्हें 18 अगस्त तक ट्रेवल न करने की सलाह दी थी। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल का मेडिकल सर्टिफिकेट भी कोर्ट में पेश किया। मगर जस्टिस तेज ठहरे। माजरा समझ गए। पहले भी वे कई बड़े अफसरों की क्लास ले चुके हैं। सो, जब सवालों की बौछारें शुरू हुई तो झूठ-पर-झूठ बोलते-बोलते अफसर एक जगह फंस गए। आखिर में उन्हें स्वीकार करना पड़ा कि उन्हें दस्त-वस्त कुछ नहीं था...अस्पताल से फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाए। बताते हैं, नौ बार लूज मोशन होने के बाद भी अफसर दिन भर ऑफिस में काम किए और यहीं से उनकी झूठ की परतें खुलती गई। खैर, अफसर बड़े थे, उन्होंने अपनी गलती मान ली, इसलिए कोर्ट ने उसे अपने आदेश में उल्लेख नहीं किया। मगर इससे मेडिकल सिस्टम और डॉक्टर भी सवालों के घेरे में हैं...आखिर, किस तरह वे स्वस्थ्य मुलाजिम को बीमार बना देते हैं।

डेढ़ सौ करोड़ का पटवारी

पीएससी परीक्षा घोटाले में ईडी ने दो सितंबर को दुर्ग के एक पूर्व पटवारी के कई ठिकानों पर छापा मारा। बताते हैं, ईडी को पीएससी स्कैम में पटवारी के कुछ लेनदेन के पेपर मिले हैं। यही नहीं, 150 करोड़ की संपत्ति की शिकायत भी। पूर्व पटवारी की तीन बेटियों में दो पटवारी हैं, एक सब रजिस्ट्रार। बेटा नायब तहसीलदार। याने पूरा कूनबा जमीन-जायदाद से संबंधित विभागों में। चारों जब से नौकरी पाए हैं, भिलाई-दुर्ग से बाहर नहीं निकले। बेटे का एक बार ट्रांसफर हुआ तो भिलाई के सारे बीजेपी, कांग्रेस नेता गोलबंद हो गए थे। ऊपर में इतने फोन हुए कि हफ्ते भर में ट्रांसफर आदेश चेंज करना पड़ा। पंजीयन मंत्री ओपी चौधरी ने पिछले साल जब सालों से जमे मुलाजिमों को बदला तो पूर्व पटवारी की बेटी का ट्रांसफर भी जांजगीर हो गया। उसके आदेश बदलने भी कहां-कहां से सिफारिशें नहीं हुई! सुनने में ये भी आ रहा कि पूर्व पटवारी के पास 150 करोड़ से कई गुना अधिक संपत्ति होगी। भिलाई के अनेक बिल्डरों के साथ उसका पार्टनरशिप है। जाहिर है, पूर्व पटवारी के आर्थिक और सियासी रसूख सुन सूबे के नौकरशाहों को ईर्ष्या हो रही होगी। यूपीएससी जैसी परीक्षा क्लियर कर देश की सबसे बड़ी सर्विस में आने के बाद भी कई आईएएस अफसर पूरी नौकरी में 150 करोड़ नहीं कमाते होंगे। और न वैसा सियासी रसूख...कि बीजेपी, कांग्रेस के नेताओं में उन्हें बचाने होड़ मच जाए।

अंत में दो सवाल आपसे

1. संतोष पाण्डेय और तोखन साहू में से कौन बनेगा छत्तीसगढ़ बीजेपी का कार्यकारी अध्यक्ष?
2. बीजेपी चिकित्सा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष 24 घंटे में क्यों बदल गया?

मनोवैज्ञानिक हॉरर में निभाएंगी मुख्य किरदार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

तृषा कृष्णन को आखिरी बार सूर्या अभिनीत फिल्म 'करुप्पू' में देखा गया था। अब उनकी अगली फिल्म पर अपडेट आया है, जो पैनोरमा स्टूडियोज की तमिल मनोवैज्ञानिक हॉरर होगी। यह



स्टूडियो की पहली तमिल भाषा वाली फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री को मुख्य किरदार निभाने के लिए चुना गया। इसे पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा लोकोमोटिव ग्लोबल के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है, जिसमें निर्माता के रूप में कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक, सुंदर आरोन, विकास शर्मा और अमित डालमिया शामिल हैं। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, फिल्म में राधिका सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली भी सह-कलाकार के रूप में नजर आएंगे। इसका शीर्षक तय होना अभी बाकी है, लेकिन शूटिंग लंदन में शुरू हो चुकी है। निर्माता मंगत ने कहा, तमिल सिनेमा हमेशा से साहसिक, मौलिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कहानियों का मंच रहा है, और हम चाहते थे कि हमारी पहली तमिल फिल्म भी ठीक इसी भावना को प्रतिबिंबित करे। उन्होंने विश्वास जताया कि फिल्म दर्शकों को नया सिनेमाई अनुभव देगी। तृषा ने हॉरर-कॉमेडी जॉनर में काम किया है, लेकिन यह पहला मौका होगा जब उन्हें बिना नाम वाली इस मनोवैज्ञानिक हॉरर में देखा जाएगा।

चिरंजीवी की 'काका' का हैदराबाद में अहम पड़ाव



मुंबई। मेगास्टार चिरंजीवी और निर्देशक बॉबी कोल्ली अपनी नई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'काका' की शूटिंग का एक बड़ा और अहम शेड्यूल हैदराबाद में शुरू करने जा रहे हैं। निर्माताओं ने सेट से एक तस्वीर साझा करके इसकी जानकारी दी है। फिल्म को तय समय पर पूरा करने के लिए शूटिंग का ये चरण बेहद खास माना जा रहा है। चिरंजीवी और बॉबी कोल्ली अपनी नई एक्शन थ्रिलर 'काका' के साथ एक बार फिर बड़ा धमाका करने की तैयारी में हैं। 2026 की सुपरहिट फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारू' के बाद इस हिट जोड़ी की ये एक साथ दूसरी फिल्म है। फिल्म को संक्रांति के खास मौके पर 13 जनवरी, 2027 को रिलीज करने की योजना है, जिसके लिए पोस्ट-प्रोडक्शन का काम भी साथ-साथ शुरू हो चुका है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

आवश्यकता

आवश्यकता है- एडवरटाइजिंग एजेंसी में शोशल मीडिया में मोबाइल से रील बनाने हेतु 10 पास लड़के/लड़कियों की आवश्यकता हैं,स्वयं का वाहन आवश्यक (पचपेड़ी नाका के आस पास वाले को प्राथमिकता) मोबाइल 9827146567. (आरो-269)

ड्रायवर/ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- रायपुर शंकरनगर ऑफिस में - (1)कार चलाने हेतु अनुभवी , कुशल ड्राईवर (2)ऑफिस बॉय/गर्ल की आवश्यकता है जो ऑफिस की साफ-सफाई व अन्य कार्यों में सहायता करें। बायोडाटा सहित संपर्क करें:- 9993011757 / 9893132000. (आरो-420)

हाऊस कीपिंग

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग – पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने हेतु), ऑफिस बॉय – केवल रायपुर लोकल उम्मीदवार एवं कंसल्टेंसी वाले संपर्क करें :- मो.6232022676. (आरो-309)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान मै लड़को/लड़की (फ्रेशर/अनुभवी) की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसारः *आशीष शुभम् मेडिकोज 41 छत्तीसगढ़ दवा बाज़ार राजबंधा मैदान रायपुर 8103981038. (आरो-271)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 22000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर 20000 योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019. (आरो-815)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड-8, स्थान आरंग टोल, वेतन 8 घंटे -13000, 12 घंटे - 15000, ई .पी. एफ, मेडिकल परिवार सहित संपर्क मो - 7869284963, 0788-3556724, 9329280863. (आरो-329)

आवश्यकता

आवश्यकता है- अधिवक्ता कार्यालय में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़की की आवश्यकता है। प्रदीप तिवारी (अधिवक्ता) पता- सी-1, श्याम सुंदर भवन, ऑक्सीजोन गार्डन के पीछे, रवि नगर, रायपुर छत्तीसगढ़ मो- 9424206480, 6263390736. (आरो-842)

मुंशी

आवश्यकता है- खेत में परिवार सहित रहकर कार्य करने देखने वाला चाहिए मुंशी, ट्रैक्टर चालक, अन्य संपर्क करें - 9167339097. (आरो-A)

ड्रायवर/फिटर/मिस्त्री

आवश्यकता है- राधा होम फर्नीचर दुर्ग मे कार ड्राइवर /फिटर /बढ़ाई /मिस्त्री /सफाई कर्मचारी, गोदाम कर्मचारी की आवश्यकता है महिला /पुरुष दोनों आवेदन कर सकते है अच्छी सेलरी संपर्क 10.30 से 12.30 बजे तक सोंध काम्प्लेक्स नागपुर बाईपास पुल धमधा रोड मो 9098083132. (आरो-330)

टीचर

Required- Required teachers for Physics, Chemistry, Biology, Commerce, History, Sociology, Political-Science and Economics. Candidate must be PG with B.Ed, English Medium. Principal, Glorious School, Krishna Nagar Near Santoshi Nagar, Raipur 8226078877, 7987357145. (आरो-841)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- नौकरी का सुनहरा अवसर श्री वासु लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के तेंदुआ स्थित पेट्रोल पंप हेतु स्टाफ की आवश्यकता फ्रेशर्स पुरुष एवं महिला दोनों आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को कंपनी द्वारा आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा मेहनती एवं जिम्मेदार उम्मीदवारों के लिए बेहतरीन अवसर! स्थान तेंदुआ, रायपुर संपर्क:- 7000681512. (आरो-066)

आवश्यकता है- माना बस्ती स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प मे कार्य हेतु मिनी टैंकर ड्राईवर एव पम्प स्टाफ की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क:- 9329798983, 9755098983. (आरो-067)

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप पर काम करने हेतु महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है संपर्क करें जय जवान पेट्रोल पंप मरीन ड्राइव के पास तेलीबांधा रायपुर छत्तीसगढ़ मो- 9827141707. (आरो-4171)

हरिभूमि क्लासीफाईड

केयर टेकर

आवश्यकता है- आनंद होमकेयर में लड़के लड़कियों महिलाओं की आवश्यकता है। मरीजो बुजुर्गों बेबी केयर हेतु ट्रेनिंग + रहना खाना फ्री 5वीं से 12वीं वेतन 12000 से 15000 मो- 9752841977, 9752391977. (आरो-843)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला , सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, पता:- विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड , रायपुर संपर्क समय 10:30 से 9:00, 9425522577, 9425522576. (आरो-840)

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता हैं वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178. (आरो-068)

चपरासी/ड्रायवर/कुक

आवश्यकता है- सरोना चौक के नजदीक लॉजिस्टिक पार्क स्थित ऑफिस में क्लीनिंग /चाय पानी हेतु 01 चपरासी, 01 ई रिक्शा ड्राइवर, 01 कुक, 01 मेहनती लड़का (दतरेंगा परसदा फार्महाउस हेतु चौकीदार) की आवश्यकता है। 8871117007, 1869187165. (आरो-4166)

वायरिंग वर्क

आवश्यकता है- पेनल वायरिंग संबंधित कार्य करने हेतु फ्रेशर लड़को की आवश्यकता है। संपर्क करें:- साकेत इलेक्ट्रीकल्स, परशुराम नगर, प्रोफेसर कालोनी, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9826160381, 9754428361. (आरो-069)

हरिभूमि

मशीन ऑपरेटर

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्क से (पुरुष/महिला), ITI फिटर, ITI इलेक्ट्रिशियन, सिक्यूरिटी गार्ड चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध.
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 8357065592 8462933820

ऑपरेटर/मुंशी

आवश्यकता है- रावांभाटा (धनेली) स्थित अरवा राईस मिल हेतु : 1. Computer operator (Tally Data Entry) 2. गोदाम मुंशी (supervisor) 3. मिल मिस्तरी (ऑपरेटर) संपर्क : 7987974445. (आरो-16)

ड्रायवर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- दुर्ग रायपुर स्टाफ बस के लिए ड्राइवर और सुपरवाइजर की आवश्यकता है आधार ,ड्राइविंग लाइसेंस व्हाट्सएप करें पता बस स्टैंड दुर्ग 9343322450, 7385600786, 9424125786. (आरो-1358)

मशीन ऑपरेटर

आवश्यकता है- भनपुरी में बोल्ट बनाने की फैक्ट्री के लिए मशीन ऑपरेटर एवं फोरमैन की आवश्यकता हैं,वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करे - मोबाइल 7909967535, 9399374912. (आरो-272)



आवश्यकता

आवश्यकता है- अनुभवी प्रोफेशनल्स की आवश्यकता है। आईटी / सॉफ्टवेयर सपोर्ट इंजीनियर (ग्रेजुएशन / डिप्लोमा)- 1 पोस्ट इंटरकॉम टेक्निशियन - 1 पोस्ट सीसीटीवी टेक्निशियन - 2 पोस्ट्स अपना सीवी 9755763666 पर व्हाट्सएप या snaco43@gmail.com पर मेल करें।(आरो-111)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- चायपत्ती के फैक्ट्री में पैकिंग कार्य लेडीज व लड़कों की आवश्यकता है। संपर्क करें जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM के सामने गली आकृति विहार अमलीडीह 0771-4075490, 79879 27854, 9753674707. (आरो-844)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल में कार्य हेतु ऑलराउंडर कुक किचन सुपरवाइजर, रिसेप्शनिस्ट, हाउस कीपिंग स्टॉफ सुपरवाइजर, बेल ब्वॉय/गर्ल्स चाहिए। सम्पर्क करें- होटल रॉयलरामा, पुराना बस स्टैण्ड टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9327334481, 9826807980. (आरो-41770)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - निःशुल्क छत्तीसगढ़िया ज्योतिष - विचार दिखाइया,बईगा, अवइया 3 महीना अड़चन रही, ग्रह, नक्षत्र, अऊ बाहरी के काली माई के शक्ति ले आर्थिक मानसिक, शारीरिक सब्बो चिंता दूर होही 1 बेर जरूर मिलव मों- 8461886239. (आरो-845)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ASTROLOGY ज्योतिष

ज्योतिष तांत्रिक विशेषज्ञ
पति-पत्नि में अनबन, प्रेम विवाह, राजयोग, धनयोग, विवाह योग, संतान योग, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा ट्रांसफर एवं अन्य ज्योतिष प्रश्नोता, 9 ग्रह, 27 नक्षत्र 64 योगिनी, वास्तु शास्त्र तथा अन्य प्रश्नोत्तर ज्योतिष द्वारा प्राप्त करें तंत्र द्वारा वशीकरण, विवाह किसी भी परेशानी से तत्काल लाभ प्राप्त करें।
चुनाव विजय हेतु संपर्क करें।
तांत्रिक सम्राट डॉ. जे.पी. दुबे
तंत्र पी.एच.डी. (गोल्ड मेडलिस्ट)
गली नंबर-3, शुभकामना हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर
96302-33918, 9238384295
नोट: भूत, भविष्य, वर्तमान की जानकारी प्राप्त करें।
स्वामी जी प्रत्येक दिन रायपुर में मिलेंगे।
आने से पूर्व एपाइंटमेंट अवश्य लें।

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - रायपुर के हृदय स्थल वर्धमान नगर, श्रीराम सब्जी मण्डी के सामने विजन स्कूल से लगा देवपुरी, रायपुर में चौरस प्लाट 1500 वर्गफीट बेचना है संपर्क :- 9300234567. (आरो-12)

प्लॉट बेचना है - बिलासपुर सकरी थाना के सामने मेन रोड से 30मी. दूर डायवर्टेड आवासीय प्लॉट टुकड़ों में उपलब्ध। सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित प्लॉट 75.5×54= 4077 वर्गफुट। सम्पर्क करें- 7898855268. (RO-41750)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

For Rent किराया

किराये से देना है - विवेकानन्द सरोवर (बूढ़ा तालाब) में झील के सामने Food Kiosk/दुकान किराए पर उपलब्ध है। कृपया संपर्क करें मो. न. - 9303773727. (आरो-0169)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152
विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

RAIPUR SMART BUSINESS
AUDIT
15,000/- से शुरु
◆ GST रजिस्ट्रेशन 500/- ◆GST फाइलिंग 500/-
◆ Income Tax ITR फाइल मात्र 500/-
• MSME • TDS • CMA DATA • फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क : शेखर गुप्ता onlytds.com
पता- सी-74, सेक्टर-1, नुवेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाऐं 9300755544, 8878655544

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी राशि उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर ले। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे या स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करे। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में फिर किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों को हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, मुद्रक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

यौन रोग व यौन कमजोरी
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के गलत मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, गुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
बकाने रिसर्च एण्ड रिफरल केयर सिलिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.बी. अग्रवाल (BAMS MD)
(यौन रोग विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांइटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
98271-99213,94255-55659
96177-89223,93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय दोपहर 12 से 7 बजे तक

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 6 सितंबर 2026



रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम
फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्क्रॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंट्रेस्टिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रोशनी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्क्रॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।



पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकू' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपकी बात बिना किसी जजमेंट के सुनते हैं।

सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन ऊंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरॉन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ऑ' (विस्मय) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ऑ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के कोरे पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए, 'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अमिग्डाला' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सर्वे बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।



देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी मासूम बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि 'इनर चाइल्ड हीलिंग' मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अचूक तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हल्का करता है।

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में भटकने वाले किसी आवारा कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'ह्यूमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का स्राव तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को चुटकियों में गायब कर देती है। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो निश्छलता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।

खुद से भी कीजिए बातें: आईने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेडिटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आईने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आईने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंग्जाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।



बारिश की बूंदों से मिलाएं लय: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसों को जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वालेस जे. निकोलस ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंग्जाइटी अटैक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्क्रॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *



निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

{ टेक्नोलाइफ / अंजू जैन }

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एम्नेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग को धार देना, इसे एक्टिव रखना बंद कर देंगे, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां मानसिक रूप से पूरी तरह इन मशीनों की गुलाम बन जाएंगी।



क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एम्नेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहां है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐतिहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी याद्दाश्त के लिए एक 'एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव' बन गए हैं। हम अपनी रोजमर्रा की नियुक्तियों, जन्मदिनों, बिलों के भुगतान की तारीखों और यहां तक कि साधारण गणनाओं के लिए भी रिमाइंडर्स और एप्स पर निर्भर हैं।

मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बदलाव: मानव मस्तिष्क में 'न्यूरोप्लास्टिसिटी' का गुण होता है, जिसका अर्थ है कि यह अनुभवों और आदतों के अनुसार खुद को ढाल लेता है। जब हम लगातार गैजेट्स का उपयोग करते हैं, तो मस्तिष्क की सूचनाओं को सहेजने वाली न्यूरॉन कोशिकाएं कमजोर होने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप, मस्तिष्क सूचनाओं को शॉर्ट-टर्म मेमोरी से लॉन्ग टर्म मेमोरी में स्थानांतरित करना बंद कर देता है।

जी. पी. एस. पर बढ़ती निर्भरता: पहले लोग रास्तों को याद रखने के लिए लैंडमार्क्स, दिशाओं और अपनी स्थानिक समझ का उपयोग करते थे। इससे मस्तिष्क का 'हिप्पोकैंपस' हिस्सा सक्रिय रहता था, जो याद्दाश्त और दिशा-ज्ञान के लिए जिम्मेदार है। आज जी. पी. एस. और गूगल मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है।

बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पहाड़े और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। *

(मनोचिकित्सक डॉ.संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी याद्दाश्त को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे 'बदलने' के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- स्क्रीन के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।



{ कविता / पुरुषोत्तम व्यास }

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच
कितने विचारों के बीच
कितने थपेड़ों के बीच
कितने जालों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी घृणा के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच
कितनी कुसंगत के बीच
कितनी लालसा के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी बड़बोलेपन के बीच
कितनी आत्मप्रशंसा के बीच
कितने कपट के बीच
कितने झपट के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने विघ्नों के बीच
कितने अपमानों के बीच
कितने सम्मानों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने शत्रुओं के बीच
कितने मित्रों के बीच
कितने भ्रमों के बीच
कितने सपनों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

{ व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय }

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया।



कहने को तो वह नवोदित भ्रष्टाचारी था लेकिन अपनी लाइन का वह एक पुराना खिलाड़ी था। कई महीनों पहले से ही वह बदनामियों के काले आकाश में उमड़ता-घुमड़ता हुआ देखा जा रहा था। सर्वत्र उसी की चर्चा थी। वह मीडिया में 'काली घटा छाई, भ्रष्टाचार की ऋतु आई' बनकर छाया हुआ था। नवोदित भ्रष्टाचारी के चेहरे पर कैमरों की फ्लैश लाइटें चमकतीं, तो जान पड़ता था कि आकाश में बिजली कौंध रही है। अपने कंधों पर कारगुजारियों का इंद्रधनुष लादे हुए वह मंडराता फिर रहा था। ईडी और सीबीआई की हवाएं छापामारी करती थीं और उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाती थीं। उससे पूछताछ होती और वह सारा दोष मौसम के मत्थे पर मढ़ दिया करता था। वह कहता था कि यह भ्रष्टाचार तो समूचे वायुमंडल में फैला हुआ है, फिर भला वह ही कैसे इसके प्रभाव से अछूता रह सकता है? वह मौका लगते ही डूब-डूब कर बेईमानी का पानी पीने का अभ्यस्त था। यूं तो वह कहने मात्र को ही एक नवोदित भ्रष्टाचारी था। चूंकि पहले उसका नाम किसी बड़े घोटाले में उजागर नहीं हो पाया था, इसके चलते ही उसको नवोदित कहा जा रहा था। इस बात का वह बुरा भी नहीं मानता था। लोग उसे बच्चा समझते थे, वह अपने आपको सबका चच्चा समझता था।

इन दिनों वह चर्चाओं के आकाश में उड़ रहा था, परंतु सभी को यह बात पता थी कि घोटालों के विशाल समंदर का पानी वह अपने पेट में भरे हुए था। वह बहुत गहरा था। अपनी सफलता के नशे में बहकते हुए उसके पांव धरती पर उतरने में अपनी तौहीन समझ रहे थे। लेकिन वक्त-वक्त की बात होती है। जो गहरा होता है, उसको नपना भी पड़ता है। तो उस नवोदित भ्रष्टाचारी को भी एक रोज जमीनी हकीकत देखनी ही पड़ गई। यद्यपि वह सबको सफाई देता रहता था कि उसका दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डुबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वस्त्र होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश पूरी कर ली थी।

एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डुबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी आगे नहीं जा सका था। नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा।

लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया। वरिष्ठ ने उसे पीछे से आवाज दी, 'ओ राजा बेटा, ऐसे तो मुंह फेर कर न जाओ!' नवोदित बोला, 'दादा, चाहे और कुछ कह लो, पर मुझको राजा बेटा कहकर न बुलाओ। यों ही मेरी बहुत बदनामी हो चुकी है।'

वरिष्ठ घोटालेबाज ने उसकी पीठ पर धौल जमाते हुए कहा, 'तो क्या कहूं? तुम्हें राजा बेटा न कहूं, तो क्या अपना बाप कहूं? वाह बेटा, तुम तो बापों के भी बाप निकले। हम तो अपने टाइम में करोड़ों की ही जमा-पूंजी बटोर पाए थे, तुम 'पहले पाओ, पहले खाओ' की राह पर चलकर कई लाख करोड़ के पार निकल लिए। हम जैसे पुराने घोटालेबाज यूरिया, चीनी, चारा, कोयला, अनाज जैसी हद्दी-पिद्दी कलाबाजियों के आगे नहीं जा सके। तुम सबको पीछे छोड़कर असीमित घोटाले की सीमा के पार पहुंच गए हो। मुझे पक्की उम्मीद है कि तुम्हारे बाद की पीढ़ी और भी तरक्की करेगी।'

नवोदित भ्रष्टाचारी निर्लज्ज मुस्कान के साथ बोला, 'दादा, आप मेरे पुरखे हो। पथ-प्रदर्शक हो। गुरु समान हो। आप अपने समय के खांटी खिलाड़ी रहे हो। आपने ही मुझ एकलव्य को इस सुगम और सहज मार्ग पर चलना सिखाया है। आपको देख-देखकर ही मैंने यह विद्या सीखी है। मेरी आप को ज्ञान देने की औकात नहीं है।' वरिष्ठ घोटालेबाज ने उस नवोदित भ्रष्टाचारी की पीठ थपथपाते हुए कहा, 'शाबास बेटा, इसी बात पर मेरे साथ वापस लौट चलो। इस बार भ्रष्टाचार के सरोवर के उसी घाट पर हम दोनों मिलकर डबल डुबकियां लगाएंगे।'

अब दोनों ही गठबंधन वाली मुद्रा में एक ही दिशा में एक साथ चल रहे थे। *

{ पुस्तक चर्चा / अनुराग मनींद्र }

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।



यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शेखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आयुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्धृत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील, साहित्य के प्रति समर्पित, जिंदादिल-गरिमापूर्ण व्यक्तित्व झलकता है। वे लिखते हैं, 'वो एक व्यक्ति नहीं प्रवाह का नाम हैं। ...ओम निश्चल में एक इनबिल्ट डिसिप्लिन है। वो जो भी काम करते हैं, संपूर्णता और एकाग्रता के साथ करते हैं।'

डॉ. हरेराम पाठक ओम निश्चल की गजलों को समय से काफी आगे मानते हैं, वे लिखते हैं, 'गजल में लाक्षणिक प्रयोग और व्यंग्यार्थ का अचूक प्रयोग होते देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ओम निश्चल की गजलें समसामयिकता के दायरे से बहुत आगे निकल चुकी हैं।'

डॉ. भावना शेखर, ओम निश्चल के काव्य संग्रह 'मेरा दुख सिरहाने रख दो' की चर्चा करते हुए लिखती हैं, 'किताब से गुजरते हुए गजल और गीतिका की गंगा-जमुनी धार में डूबते-उतराते पाठक को दुष्यंत कुमार से लेकर अदम गोंडवी तक कितने ही गजलकारों की शायरी का आस्वाद मिलता है।'

संपादक विज्ञान भूषण के लेख 'गजलगोई का नया मुहावरा गढ़ती गजलें' में ओम निश्चल की गजलों के सौंदर्य, संवेदना, सामाजिक सरोकार, भाषिक प्रयोग, शिल्प तथा वैचारिक गहराई का सूक्ष्म, बहुआयामी एवं सम्यक विश्लेषण है। *

पुस्तक: गजलगोई : ओम निश्चल (आलोचना), **संपादक:** विज्ञान भूषण,
मूल्य: 449 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ लघुकथा / तनुजा चौबे }

उपेक्षा से प्रेरणा

एक कंपनी ने तीन कर्मचारियों-अभय, निखिल और रोहन को एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा। काम बांट दिया गया। अभय ने पूरी जिम्मेदारी से हर काम समय पर संभाला और प्रोजेक्ट को व्यवस्थित किया। निखिल ने भी मेहनत की, मगर अभय जितनी नहीं। रोहन ने सबसे कम योगदान दिया।



प्रोजेक्ट पूरा हुआ तो कंपनी के मालिक ने पुरस्कार की घोषणा की। रोहन का नाम सबसे पहले, निखिल का उसके बाद और अभय का सबसे अंत में था। अभय को इस बात का दुःख हुआ कि उसकी मेहनत को अपेक्षित पहचान नहीं मिली। कुछ समय बाद अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग लाई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।'

अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। *

जैकेट के शेष

कांग्रेस ने कहा-आधा ....

बात, इसमें षड्यंत्रों की जांच नहीं की गई। इतनी जघन्य घटना घटी, किसी अधिकारी की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। हमने एसआईटी का गठन किया। एनआईए ने उसे लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक चुनौती दी, जिसमें हमें हर जगह सफलता मिली। उन्होंने एनआईए की विशेष अदालत के फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे "अधूरा न्याय" बताया है। मामले में झीरम घाटी के शहीद नंदकुमार पटेल के बेटे उमेश पटेल ने कहा कि एनआईए की चार्जशीट का निर्णय आया है। कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। मामले के षड्यंत्रकर्ता कौन थे, एनआईए ने इसकी जांच नहीं की। मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

फैसले से नहीं हुई संतुष्टि : टीएस : झीरम घाटी नक्सली हमले में कोर्ट ने 10 आरोपियों को दोषी पाया है। फैसला 16 सितंबर को सुनाया जाएगा, इस पर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा, कोर्ट के इस आदेश से संतुष्ट नहीं हैं। मुझे तो तब तक संतुष्टि नहीं है, जब तक जवाबदेही तय नहीं होती। इस घटना को अंजाम कैसे होने दिया गया? पूरा मैदान क्यों खाली छोड़ा गया? जानकारी होने के बाद भी प्रशासन ने तैयारी क्यों नहीं की? वहां से विपक्षी दल के नेताओं को आना-जाना था तो इसको लेकर तैयारी क्यों नहीं की गई, व्यवस्था कैसे नहीं की गई? इस पर जब तक निर्णय नहीं आएगा, तब तक मुझे संतोष नहीं होगा।

झीरम का फैसला आधा-अधूरा न्याय : बैज : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने झीरम हत्याकांड में एनआईए कोर्ट का फैसले पर कहा, यह आधा-अधूरा न्याय है। हम अदालत के फैसले का आदर करते हैं। एनआईए की जांच शुरू से दिशाहीन रही है। घटना के राजनैतिक षड्यंत्रों के पहलू की जांच नहीं की गई। जिन 10 लोगों की एनआईए ने गिरफ्तारी की थी और जिनको दोषी पाया गया है, वे छोटे नक्सली थे। एनआईए ने बड़े नक्सली नेताओं का नाम शुरू की एफआईआर में शामिल किया था, बाद में उसे हटा दिया।

एनआईकी जांच सही, तभी कोर्ट ने सजा दी : विजय शर्मा : झीरम घाटी नरसंहार मामले में कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बयान पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, 5 साल कांग्रेस की सरकार थी, कुछ क्यों नहीं किया? एनआईए की जांच सही साबित हुई, तभी कोर्ट ने सजा दी है। एनआईए को जब जांच सौंपी गई, तब केंद्र में यूपीए की सरकार थी। **देर आए दुरुस्त आए : बृजमोहन :** झीरम हत्याकांड में कोर्ट के फैसले पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, कोर्ट का फैसला आ गया, दोषी करार दिया गया है। दुर्भाग्यजनक है, राजनीतिक दल के नेताओं की हत्या हुई। घटना के कारण पूरी पीढ़ी चली गई, सच सामने आना चाहिए। उन्होंने फैसले पर कहा, देर आए दुरुस्त आए, न्यायालय का धन्यवाद देते हैं।

सरकार की गोद ....

किलर और मास्टर माइंड सरकार की गोद में बैठे हैं। एनआईए ने पुलिस अधिकारियों की भूमिका, इंटेलिजेंस, आईजी और डीजीपी की भूमिका की जांच तक नहीं की। यह घटना पूरी तरह से राजनीतिक षडयंत्र था, जिस पर एनआईए के निर्णय में कुछ भी नहीं कहा गया।

असली सूत्रधार बेनकाब ....

जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर षडयंत्रकारियों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं दी जाती, तब तक यह न्याय अधूरा है।

एनआईए की सशक्त ....

तांडव में अपने प्राण गंवाए थे। श्री देव ने इसी परिप्रेक्ष्य में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस पार्टी पर भी कड़ा प्रहार किया है। श्री देव ने कहा कि प्रदेश और देश की जनता लम्बे समय से इस मामले का सच सामने आने की प्रतीक्षा कर रही थी। सभी चाहते थे कि इस मामले में 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो और सच्चाई सबके समक्ष आए। एनआईए की जांच टीम और अभियोजन पक्ष के प्रयासों की सराहना करते हुए श्री देव ने कहा कि 101 गवाहों के साक्ष्य और पुख्ता दस्तावेजी प्रमाणों के आधार पर अदालत ने इन 10 लोगों को दोषी करार दिया है। एक आरोपी की विचारण के दौरान मृत्यु हो गई थी। यह सिद्ध करता है कि कानून के हाथ बहुत लंबे हैं और किसी भी अपराधी या आतंकी को न्याय की जद से बाहर नहीं रहने दिया जाएगा। झीरम के दोषियों को कानून सम्मत कठोरतम दण्ड मिलेगा जो भविष्य में देश और राज्य के खिलाफ हथियार उठाने वाले राष्ट्रविरोधी तत्वों के लिए एक कड़ा सबक बनेगा।

कांग्रेस ने प्रदेश ....

प्रश्नः खैरागढ़-छुईखदान-गंडई आपके संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। क्या आपको लगता है कि इसे जिला बनाने में भाजपा से कोई चूक हुई थी?

उत्तरः कांग्रेस ने यह जिला केवल उपचुनाव जीतने की राजनीतिक मजबूरी के चलते बनाया। इससे पहले कांग्रेस के कई मुख्यमंत्री रहे, लेकिन किसी को जिले की सुध नहीं आई। चुनाव जीतने के लिए आनन-फानन में यह घोषणा की गई थी।

प्रश्नः आज केसीजी जिले के वर्तमान स्वरूप और विकास कार्यों से आप कितने संतुष्ट हैं?

उत्तरः कांग्रेस ने सिर्फ घोषणा कर जिला बनाया, लेकिन उसे बुनियादी ढांचे से संवारने का काम अब भाजपा सरकार कर रही है। कलेक्ट्रेट, जिला अस्पताल और खैरागढ़-राजनांदगांव मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य तेजी से जारी है। खैरागढ़ विश्वविद्यालय में इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया जा रहा है और इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो चुके हैं। आमनेर मोतीनाला, सिद्धबाबा और सुरही जलाशय परियोजनाओं पर काम शुरू हो चुका है। पिपरिया में नया विद्युत सब-स्टेशन बन रहा है। पीएम जनमन योजना के तहत बैगा परिवारों को पक्के आवास और आजादी के बाद पहली बार दूरदराज के क्षेत्रों में बिजली पहुंचाई गई है।

प्रश्नः केसीजी जिले में स्कूली और उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तरः नवगठित जिलों में नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए ठोस प्रयास जारी हैं। केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं और जल्द ही केसीजी जिले में भी उच्च शिक्षा के नए संस्थान और सुविधाएं देखने को मिलेंगी।

प्रश्नः जिले के स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए क्या योजनाएं चल रही हैं?

उत्तरः स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही अग्निवीर, शिक्षक और पुलिस बल जैसी सरकारी भर्तियों के माध्यम से युवाओं को अवसर दिए जा रहे हैं।

प्रश्न : केसीजी जिले को रेलवे नेटवर्क से कब तक जोड़ा जाएगा?

उत्तरः आजादी के 70 वर्षों में कांग्रेस ने खैरागढ़ तक रेल पहुंचाने की कभी चिंता नहीं की। भाजपा सरकार ने इस दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। लगभग 7,000 करोड़ की लागत से रेलवे विस्तार की योजना पर कार्य चल रहा है, जो बहुत जल्द धरातल पर दिखाई देगा।

प्रश्नः क्षेत्र के विधानसभा चुनावों में भाजपा को लगातार मिल रही हार की क्या वजह मानते हैं?

उत्तरः विधानसभा चुनावों में मिली लगातार हार यह दर्शाती है कि कहीं न कहीं हमारी रणनीति या संगठन स्तर पर कुछ कमियां रही होंगी। हम उन कमियों को दूर करने पर काम कर रहे हैं। आगामी चुनावों में जीत दर्ज करने के लिए कार्यकर्ताओं ने जमीन पर मेहनत शुरू कर दी है और आने वाले परिणाम सकारात्मक होंगे।

13 साल, 294 सुनवाई ...

आम लोगों की भी मौत हुई थी। यह हत्याकांड इतना दिल दहला देने वाला था कि इसे देखकर पूरा देश कांप उठा था। झीरम घाटी माओवादी हमले में कांग्रेस के सीनियर नेताओं समेत 29 लोगों की मौत हुई थी।

मृत्युदंड की स्थिति में विशेष प्रक्रिया : मामले में जिन धाराओं के तहत आरोपियों को दोषी ठहराया गया है, उनमें गंभीरतम दंड का प्रावधान है। ऐसे में यदि अभियोजन पक्ष द्वारा मृत्युदंड की मांग की जाती है अथवा अदालत मृत्युदंड पर विचार करती है तो उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अदालत द्वारा सजा के पहलू पर भी विस्तृत सुनवाई की जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत विशेष एनआईए न्यायालय ने दोषी ठहराए गए सभी 10 आरोपियों को सजा सुनाने से पहले अभियोजन एवं बचाव पक्ष से सजा के संबंध में प्रतिवेदन मांगा है। अदालत ने दंड के निर्धारण के लिए 16 सितंबर की तिथि निर्धारित की है। इस दिन दोनों पक्ष अपने-अपने तर्क और प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे, जिसके बाद अदालत आरोपियों को दी जाने वाली सजा पर निर्णय कर सकती है।

गवाहों के कथनों के आधार पर हुई सजा : अदालत के फैसले के बाद अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता दिनेश पाणिग्राही ने कहा कि न्यायालय ने मामले में प्रस्तुत साक्ष्यों और साक्षियों के कथनों के आधार पर आरोपियों को दोषी ठहराया है। उन्होंने बताया कि अदालत ने दोषसिद्धि के बाद सजा सुनाने के लिए 16 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। **101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए :** बस्तर के दरभा झीरम घाटी में नक्सली हमला लगभग 13 साल और 294 सुनवाई के बाद इस मामले में 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। इस मामले में 11 आरोपियों पर ट्रायल शुरू हुआ था, जिनमें से सुनवाई के दौरान एक आरोपी की मौत हो चुकी है और शेष 10 आरोपियों पर निर्णय आना था। **परिजन भी कोर्ट पहुंचे :** सुनवाई के दौरान आरोपियों के परिजन भी कोर्ट पहुंचे हुए थे। इस घटना के आरोपी जोगा मड़कामी के परिवार वालों ने कहा कि घटना के दिन मड़काम जोगा शादी कार्यक्रम में व्यस्त थे। ऐसे में घटना के बाद जबरन उन्हें पुलिस घटना में शामिल होने का आरोप लगाकर उठाकर ले गई। वे एनआईए कोर्ट में चली सुनवाई में पिछले 13 सालों से न्याय का इंतजार कर रहे थे, लेकिन फैसला उनके विपरीत आया। उन्होंने कहा कि जोगा मड़कामी पूरी तरह से निर्दोष है, लेकिन अब उन पर आरोप सिद्ध किया गया है। उन्होंने कहा कि 16 सितंबर को सजा को लेकर निर्णय आने के बाद उच्च न्यायालय में अपने वकील के माध्यम से अपील करेंगे। **ऐसे हुआ था खूनी खेल :** छत्तीसगढ़ में 2013 के अंत में विधानसभा चुनाव होने थे। पिछले दो बार से बीजेपी की सरकार थी, सत्ता से दूर रहने के चलते कांग्रेस पूरी ताकत लगा रही थी। 25 मई 2013 को सुकमा जिले में परिवर्तन यात्रा का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था। 25 गाड़ियों में लगभग 200 लोग सवार थे। काफिले में कांग्रेस नेता कवासी लखमा, नंदकुमार पटेल, दिनेश पटेल, महेंद्र कर्मा, मलकीत सिंह गैदू और उदय मुदलियार समेत छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लगभग सभी बड़े नेता शामिल थे। **घटना में हुई थी अंधाधुंध फायरिंग :** शाम 4 बजे के करीब जैसे ही काफिला झीरम घाटी से गुजरा तभी नक्सलियों ने पेड़ गिराकर रास्ता बंद कर दिया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता पेड़ों के पीछे छिपे नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। लगभग डेढ़ घंटे तक गोलियां चलती रहीं। इसके बाद नक्सलियों ने एक-एक वाहन की जांच की, जो लोग अभी भी सांस ले रहे थे उन्हें फिर से गोली मार दी गई, जिंदा लोगों को बंधक बना लिया गया था।

13 साल बाद ....

निगाह 16 सितंबर को होने वाली सजा की सुनवाई पर टिक गई है। अदालत उस दिन अभियोजन और बचाव पक्ष के प्रतिवेदन तथा सजा के विभिन्न पहलुओं पर सुनवाई के बाद आगे का निर्णय करेगी।

पेज एक के शेष

साय ने कहा- शिक्षक वास्तव ...

शिक्षक सम्मान के लिए चयनित 64 शिक्षकों के नामों की घोषणा भी की। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा और शिक्षक की भूमिका भी व्यापक हो रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में शिक्षकों और विद्यार्थियों का नई तकनीकों से परिचित होना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी तकनीक का विवेकपूर्ण, जिम्मेदार और मानवीय मूल्यों के अनुरूप उपयोग है। उन्होंने कहा कि एआई हमारा सहायक बने, हमारा नियंत्रक नहीं।

अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों पर...

शासन के निर्देश के बाद एसएसपी रजनेश सिंह ने विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। टीम ने बिलासपुर में संदिग्ध लोगों की पहचान और दस्तावेजों की जांच शुरू की। जिनके दस्तावेज और मूल निवास को लेकर संदेह मिला, उनके पते का संबंधित जिलों की पुलिस से सत्यापन कराया गया। सत्यापन के लिए विशेष टीम मुर्शिदाबाद और जंगीपुर पहुंची। वहां पुलिस अधिकारियों और संबंधित थाना प्रभारियों से मुलाकात कर बिलासपुर में मिले दस्तावेज और संदिग्धों से जुड़ी जानकारी साझा की गई। इसके बाद सूची में दर्ज पतों और संबंधित व्यक्तियों के संबंध में स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई गई। पुलिस का कहना है कि कुछ पते मौके पर गलत या वास्तविकता से मेल नहीं खाते पाए गए। प्रारंभिक जांच और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया के बाद सिरगिट्टी क्षेत्र में रहने वाले 23 संदिग्धों को रायपुर स्थित होल्डिंग/डिटेंशन सेंटर भेजा गया है। यहां उनकी पहचान और दस्तावेजों का आगे सत्यापन किया जाएगा।

सिरगिट्टी में इन्हें पकड़ा...

थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , साजिद शेख - ग्राम हीरानंदपुर, पो. निमतिता, थाना समसेरगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, असगर शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, नसीरुद्दीन शेख - ग्राम पाड़ा दादासीरपाड़ा, पोस्ट खुड़शिपारा, थाना समसेरगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, लालटू शेख - ग्राम ईमानपाड़ा, हरुआ पो. हरुआ, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , मतीन शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , मुस्तकीम शेख - ग्राम हीरानंदपुर, पो. निमतिता, थाना समसेरगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, मुशिकुल खां - ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, इस्लाम शेख - ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, सफीकुल आलम - ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, जोसीम हक - ग्राम ईमान नगर, पो. लाल खादिया, थाना रघुनाथगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, राहुल खान - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, आलाउद्दीन शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, सनियुल शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, मुकीम शेख - ग्राम कुमारीपारा, पो. छावघाटी, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, किरन शेख - ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल , ईजाजुल शेख - ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, इब्राहिम शेख - ग्राम साहाबाद, पो. छावघाटी, औरंगाबाद, थाना सुती, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, बुद्धु शेख - ग्राम रामदेवपुर, पो. रामदेवपुर, औरंगाबाद, थाना रघुनाथगंज, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल।

दो बच्चियों की...

ही स्थिति स्पष्ट होगी। वायरल हो रहे वीडियो में आरोपी इस काम के एवज में डेढ़ लाख रुपए मिलने की बात कह रहा है।

जानकारी के अनुसार, परिवार की महिला घर में खाना बना रही थीं, जबकि दोनों बच्चियां घर की परछी में पढ़ाई कर रही थीं। इसी दौरान मध्यप्रदेश से आए बताए जा रहे तीन लोगों के घर में पहुंचने और बच्चियों को अपने साथ ले जाने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया। ग्रामीणों ने एक व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि उसके साथ मौजूद दो महिलाएं मौके से फरार हो गईं। सूचना मिलने पर नवागढ़ पुलिस गांव पहुंची और संदिग्ध को अपने कब्जे में लिया। ग्रामीणों की पिटाई में उसके हाथ में गंभीर चोट आई थी। पुलिस उसे उपचार के लिए नवागढ़ अस्पताल लेकर पहुंची, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हाथ में गंभीर चोट के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

भगत होंगे छत्तीसगढ़ ...

केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी आदेश में श्रीवेला प्रसाद को महाराष्ट्र, पीवी मोहन को आंध्रप्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। रणदीप सिंह सुरजेवाला को गुजरात का प्रभारी बनाते हुए कर्नाटक राज्य का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इस बदलाव को कांग्रेस की आगामी चुनावी और संगठनात्मक रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ में पार्टी को संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने, गुटबाजी पर नियंत्रण और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को लामबंद करने की चुनौती है। ऐसे में नए प्रभारी की नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बघेल को असम की जिम्मेदारी : पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पंजाब की जगह असम की जिम्मेदारी दी गई है। वे कांग्रेस के प्रमुख रणनीतिकारों में गिने जाते हैं, इससे पहले भी कांग्रेस ने उन्हें असम विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के चुनावी अभियान की अहम जिम्मेदारी दी थी। 2021 में वे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहते हुए असम में कांग्रेस के चुनाव अभियान का नेतृत्व कर चुके हैं। असम में पार्टी को मजबूत करने के साथ ही वहां हिंदी भाषी और छत्तीसगढ़ मूल के मतदाताओं के बीच भी बघेल की सक्रियता को राजनीतिक रूप से उपयोगी माना जा सकता है।

कांग्रेस के भीतर बदलाव को लेकर बढ़ी चर्चा : प्रभारी बदलने के साथ प्रदेश कांग्रेस संगठन में भी आने वाले दिनों में बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं। जिला और ब्लॉक स्तर पर संगठनात्मक पुनर्गठन, वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय और युवा नेतृत्व को अधिक जिम्मेदारी देने की दिशा में फैसले लिए जा सकते हैं।

यूथ कांग्रेस चुनाव ...

महंत और पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने सियासी संकेत दिया। दोनों दिग्गज देवेंद्र यादव के साथ एक ही गाड़ी में बैठकर निकले। शिविर खत्म होने के बाद दोपहर 2 बजे देवेंद्र यादव के आवास पहुंचे और वहां भोजन करते हुए उनकी टीम के साथ चर्चा की। शनिवार को दुर्ग जिले के बालोद रोड स्थित 36 फोर्ट रेसॉर्ट में 5 से 7 सितंबर तक कांग्रेस का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर चल रहा है। कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने शिविर में सभी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष और जिले के मास्टर ट्रेनर यानि वरिष्ठ नेताओं को बुलाया है। शनिवार को इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव, चरणदास महंत, प्रेमसाय सिंह टेकाम जैसे कई बड़े नेता पहुंचे थे। दिग्गज नेताओं ने देवेंद्र यादव को तवज्जो दी। उनके साथ गाड़ी में बैठकर कार्यक्रम तक गए।

आधे घंटे बाद चले गए भूपेश: खबर है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में आधे घंटे बाद ही भूपेश चले गए। पूर्व विधायक टीएस सिंहदेव ने इस पर कहा कि भूपेश जी को कोई जरूरी काम होगा तो वो चले गए। देवेंद्र के साथ यूथ कांग्रेस चुनाव में साथ रहने की बात को लेकर उन्होंने हंसते हुए कहा कि उनके देवेंद्र यादव से पुराने घरेलू संबंध हैं। उनके साथ चरणदास महंत, प्रेमसाय सिंह टेकाम इतने वरिष्ठ हैं को वो यूथ कांग्रेस चुनाव में कई सहभागिता नहीं ले सकते हैं और न ही उसमें उनकी कोई सहभागिता है।

72 घंटे का युद्ध विराम रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने लिया फैसला

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कीव पर 72 घंटे तक हमले रोकने का आदेश दिया है। क्रेमलिन ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। यह फैसला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर रूस और यूक्रेन के दौरे पर हैं। दोनों अमेरिकी प्रतिनिधि रूस के मॉस्को पहुंचे हैं और उनका मकसद रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों को फिर से आगे बढ़ाना है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि कीव पर हमले शनिवार आधी रात से तीन दिनों तक रोके जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह रोक अमेरिकी प्रतिनिधियों के यूक्रेन की राजधानी की प्रस्तावित यात्रा को ध्यान में रखते हुए की गई है। अमेरिकी प्रतिनिधियों की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब रूस और यूक्रेन के बीच हवाई हमले लगातार बढ़ रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी शुक्रवार को कहा था कि अमेरिकी प्रतिनिधियों की यात्रा के दौरान यूक्रेन हवाई हमले रोकने के लिए तैयार है और रूस से भी ऐसा ही करने की अपील की थी।

बोलीविया के सैन्य अड्डे में जोरदार धमाका, 10 मरे : सुक्रे। दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया के पश्चिमी शहर वियाचा में शुक्रवार को एक सैन्य अड्डे पर जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 58 लोग घायल हुए हैं।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र
टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान
राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम 2026-2027
खगोल विज्ञान, जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जूनियर साइंस

कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक सभी छात्रों को **भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (आईएपीटी)** द्वारा आयोजित संबंधित राष्ट्रीय मानक परीक्षाओं (एनएसई) (विज्ञान विषयों के लिए) में **21 और 22 नवंबर, 2026 को उपस्थित होना होगा।**

एनएसई में उत्तीर्ण होना, संबंधित **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड-2027** में भाग लेने की दिशा में पहला कदम है।

नामांकन के लिए :
एनएसई: https://www.iapt.org.in (21 अगस्त – 14 सितंबर, 2026)
अधिक जानकारी के लिए : https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in
cbc 48143/11/0006/2627

ई-नीलामी सूचना
ऋण वसूली अधिकरण, भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवायें विभाग (बैंकिंग प्रभाग)
द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (बीएसएनएल बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड,
हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर-(मप्र) 482001
प्रकरण संख्या: RC 389/2019 / ओ.ए. संख्या 1067/2018
ई-नीलामी संख्या 184/2026

Punjab National Bank fo- M/S ALL INDIA POWER SERVICES COMPANY एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाण पत्र क्रमांक RC No. RC 389/2019 / O.A. No. 1067/2018 में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र Rs.16,95,354.00 (Rupees Sixteen Lakh Ninety Five Thousand Three Hundred Fifty Four Only) तथा उस पर 12.00 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से दिनांक 29.08.2018 से ब्याज एवं वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑनलाईन ई-नीलामी प्रक्रिया के तहत वेबसाईट https://www.baanknet.com के माध्यम से की जायेगीं।

ई- नीलामी की तिथि एवं समय- 14/10/2026 दोपहर 12.00 से 01.00 बजे तक

संपत्ति की अनुसूची

क्र. सं.	विक्रय हेतु प्रस्तावित संपत्ति का विवरण	आरक्षित / न्यूनतम मूल्य	ई.एम.डी. राशि
1.	Part of Khasra No.-197/4, area admeasuring 2083 sq.ft., PH No.-119/50, Diverted No.-803, Bhag-2, RNM Raipur situated at Village-Sezbahar, Tehsil & District-Raipur(C.G.); property in the name of Shri Vinod Kumar Agramodi S/o Shri Bhagirath Prasad Agrawal	Rs.5,90,000.00 (Rupees Five Lakh Ninety Thousand only);	Rs.59,000.00 (Rupees Fifty Nine Thousand only);
	संपत्ति पर विधमान भार / प्रभाव का विवरण		ज्ञात नहीं है

विक्रय की शर्तें एवं नियम

1. विक्रय की सभी शर्तें ऋणों की वसूली एवं दिवालियापन अधिनियम 1993 के प्रावधानों तथा आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय एवं तृतीय अनुसूचियों, आयकर (प्रमाणपत्र कार्यवाही) नियम, 1962 के साथ पठित प्रावधानों द्वारा शासित होंगी तथा समय-समय पर यथा संशोधित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के प्रावधानों से भी निर्देशित होंगी।
2. इच्छुक बोलीदाता निम्न सेवा प्रदाता से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

नीलामी एजेंसी	Bank Asset Auction Network (BAANKNET)
हेल्पलाइन नं.	+91-82912 20220
हेल्पलाइन ईमेल	support.baanknet@psballiance.com
बैंक अधिकारी	Shri Dinanath Bage, Chief Manager, Mob. No. 77122 10424
संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	30-09-2026 दोपहर 12:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

3. इच्छुक बोलीदाता बोली प्रपत्र विस्तृत विवरण एवं विक्रय की शर्तों हेतु वेबसाइट https://baanknet.com का अवलोकन करें। 4. बोलियाँ (bids) केवल ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत की जाएँगी। प्रत्येक बोली के साथ पैन कार्ड की प्रति, पते का प्रमाण, पहचान-पत्र, ई-मेल आईडी तथा मोबाइल नंबर की प्रतिलिपि संलग्न करना अनिवार्य होगा। कंपनी के मामले में, कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा पारित बोर्ड प्रस्ताव (Board Resolution) की प्रमाणित प्रति अथवा कंपनी की ओर से प्रतिनिधित्व / अधिकार-पत्र (Power of Attorney / Authorization) को प्रमाणित करने वाला कोई अन्य वैध दस्तावेज बोली प्रपत्र के साथ संलग्न किया जाएगा। बोलीदाता संपत्ति के विवरण, क्षेत्रफल / माप, प्रभारों (Encumbrances), दायित्वों तथा अन्य संबंधित तथ्यों की शुद्धता एवं सत्यता के संबंध में स्वयं अपने स्तर पर संबंधित सरकारी कार्यालयों अथवा अन्य सक्षम स्रोतों से जांच-पड़ताल कर पूर्णतः संतुष्ट हो लें। इस संबंध में भविष्य में उत्पन्न होने वाली किसी भी त्रुटि, विसंगति, कमी अथवा विवाद के लिए ऋण वसूली अधिकरण (DRT) उत्तरदायी नहीं होगा। 5. आरक्षित मूल्य का 10% अर्थात् रु. Rs. 59,000.00 (Rupees Fifty Nine Thousand only); ईएमडी के रूप में BAANKNET वॉलेट में जमा करना होगा तथा उसका विवरण बोली प्रपत्र में अंकित करना होगा। 6. ऑनलाइन बोली दिनांक 12-10-2026 को सायं 5:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकेगी। 7. ऑनलाइन प्रस्तुत बोली प्रपत्र एवं संलग्नकों की प्रति वसूली अधिकारी, डीआरटी, जबलपुर, द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (बीएसएनएल भवन), रेजीडेंसी रोड, मुख्य डाकघर के निकट, दक्षिण सिविल लाइन्स, जबलपुर को यथा शीघ्र प्रेषित की जाएगी। 8. ऑनलाइन बोली प्रक्रिया प्राप्त उच्चतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक अगली बोली में न्यूनतम वृद्धि रु. Rs. 6,000.00 (Rupees Six Thousand only);. होगी। नीलामी समाप्ति से पूर्व कोई बोली प्राप्त होने पर प्रणाली द्वारा नीलामी समय स्वतः 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाएगा। 9. असफल बोलीदाताओं की ईएमडी उसी खाते में वापस की जाएगी जिससे भुगतान किया गया था। इस संबंध में कोई पत्राचार स्वीकार नहीं किया जाएगा। ईएमडी जमा करने के पश्चात बोलीदाता उसे वापस नहीं ले सकेगा अन्यथा राशि जब्त कर ली जाएगी। 10. स्थावर संपत्ति के मामले में सफल उच्चतम बोलीदाता को घोषणा के अगले दिन अपनी बोली स्वीकृत होने पर, बोली राशि का 25% (ईएमडी घटाकर) INDIAN BANK, CIVIL LINES BRANCH, JABALPUR). में वसूली अधिकारी, ई-नीलामी खाता, डीआरटी जबलपुर, चालू खाता संख्या 7890303849, आईएफएससी कोड IDIB000C627 में RTGS/NEFT द्वारा जमा करना होगा। चूक होने पर संपत्ति पुनः विक्रय हेतु प्रस्तुत की जाएगी तथा ईएमडी जब्त कर ली जाएगी। 11. सफल बोलीदाता को शेष 75% राशि तथा विक्रय राशि का 1% पाउंडेज शुल्क एवं प्रत्येक संपत्ति पर अतिरिक्त रु.10/- नीलामी की तिथि से 15 दिनों के भीतर, क्रम संख्या 10 में उल्लिखित खाता संख्या 7890303849 में आरटीजीएस (RTGS) / एनईएफटी (NEFT) / मनी ट्रांसफर के माध्यम से जमा करना होगा। यदि पंद्रहवाँ दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश का दिन हो, तो भुगतान उसके पश्चात् आने वाले प्रथम कार्य दिवस पर किया जा सकेगा। निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान न किए जाने की स्थिति में,संपत्ति के विक्रय हेतु नवीन विक्रय उद्घोषणा (Fresh Proclamation of Sale) जारी कर पुनः नीलामी की जाएगी। ऐसी स्थिति में जमा की गई राशि सरकार के पक्ष में जब्त (Forfeited) कर ली जाएगी तथा चूक करने वाला क्रेता (Defaulting Purchaser) उक्त संपत्ति अथवा उसके पुनर्विक्रय से प्राप्त किसी भी राशि पर अपना समस्त दावा एवं अधिकार

सोना फिर भर सकता है उड़ान, 12% तक तेजी का अनुमान

सुझाव
बिजनेस डेस्क

सोने और चांदी की कीमतों में हाल में मुनाफावसूली देखने को मिली है, लेकिन लंबी अवधि के निवेशकों के लिए कीमती धातुओं की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोने को लगातार समर्थन मिल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा गिरावट को लंबी अवधि के तेजी के दौर में सामान्य करेक्शन के तौर पर देखा जा सकता है। उसके आकलन के अनुसार सोने में मौजूदा स्तरों से करीब 12% तक और तेजी की गुंजाइश है। सोना ऐसा निवेश है, जिससे नियमित ब्याज या लाभांश नहीं मिलता। इसलिए जब ब्याज दरें ऊंची होती हैं तो निवेशकों के लिए बैंक जमा और बॉन्ड जैसे ब्याज देने वाले विकल्प अपेक्षाकृत आकर्षक रहते हैं। इसके उलट ब्याज दरों में कमी आने पर सोने को रखने की अवसर लागत घटती है और इसकी मांग बढ़ सकती है। इसी वजह से दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति भी सोने की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरों में कटौती का दौर आगे बढ़ता है तो सोने के लिए सकारात्मक माहौल बन सकता है।

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बनी बड़ा सहारा

सोने की मौजूदा मजबूती के पीछे केवल बाजार का रुझान नहीं है। केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की खरीदारी और विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने की कोशिश भी इसकी मांग को सहारा दे रही है। कई केंद्रीय बैंक अपने रिजर्व में डॉलर जैसी प्रमुख मुद्राओं के साथ सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इससे सोने की मांग को लंबी अवधि में संरचनात्मक समर्थन मिलता है। यही कारण है कि बीच-बीच में मुनाफावसूली होने के बावजूद सोने का व्यापक तेजी वाला रुझान बना हुआ है।

चांदी का रिटर्न ज्यादा, लेकिन जोखिम भी ज्यादा

निवेशकों के लिए चांदी इस समय आकर्षक दिखाई दे सकती है क्योंकि हाल की अवधि में इसने सोने की तुलना में ज्यादा रिटर्न दिया है। लेकिन इसके साथ जोखिम भी अधिक है। चांदी केवल निवेश की धातु नहीं है, बल्कि इसका इस्तेमाल उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए औद्योगिक मांग, आर्थिक गतिविधियों और बाजार की धारणा में बदलाव का असर इसकी कीमत पर तेजी से पड़ सकता है। चांदी में करीब 68 डॉलर और 74 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर प्रतिरोध देखने को मिल सकता है। इसलिए इसमें तेजी के साथ तेज करेक्शन की संभावना भी बनी रह सकती है।

4,060 डॉलर का स्तर महत्वपूर्ण

एक आकलन के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने को करीब 4,060 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर मजबूत समर्थन मिला है। वहीं चांदी ने पिछले चार से छह सप्ताह में करीब 58 डॉलर के स्तर को बनाए रखा है। तकनीकी तौर पर किसी भी तेजी वाले बाजार में लगातार एकतरफा बढ़त संभव नहीं होती। कीमतों में बीच-बीच में गिरावट और कुछ समय तक सीमित दायरे में कारोबार सामान्य प्रक्रिया है। इसलिए हाल की मुनाफावसूली को देखकर लंबी अवधि की पूरी कहानी बदल गई है, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी।



गोल्ड ईटीएफ ने एक साल में दिया 43% से ज्यादा रिटर्न

31 जुलाई 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में मजबूत प्रदर्शन किया है। एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ ने 43.47%, कोटक गोल्ड ईटीएफ ने 43.53% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 43.24% रिटर्न दिया। तीन साल की अवधि में भी इन योजनाओं का प्रदर्शन मजबूत रहा। एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ ने 32.37%, कोटक गोल्ड ईटीएफ ने ने 32.49% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 32.27% रिटर्न दिया।

सिल्वर ईटीएफ ने किया और बेहतर प्रदर्शन

चांदी से जुड़े निवेश उत्पादों का हालिया प्रदर्शन सोने से भी बेहतर रहा है। 31 जुलाई 2026 तक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ ने एक साल में 95.24% और निप्पोन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 94.55% रिटर्न दिया। तीन साल में इनका रिटर्न क्रमशः 42.09% और 41.71% रहा। लेकिन यहां निवेशकों को रिटर्न के साथ जोखिम को भी देखना चाहिए। चांदी में कीमतों का उतार-चढ़ाव सोने के मुकाबले अधिक होता है। इसलिए केवल पिछले एक साल के शानदार रिटर्न को देखकर इसमें बड़ी रकम लगाना उचित रणनीति नहीं मानी जा सकती।

गोल्ड फंड और सिल्वर फंड में क्या तस्वीर?

गोल्ड फंड ने भी इस अवधि में अच्छा प्रदर्शन किया है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इन फंडों ने एक साल में करीब 42% तक और तीन साल में 31% से ज्यादा रिटर्न दिया है। वहीं सिल्वर फंड की कई योजनाओं का एक साल का रिटर्न 90% से ज्यादा रहा है। इन आंकड़ों से यह जरूर पता चलता है कि पिछले कुछ समय में कीमती धातुओं ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है, लेकिन निवेश का फैसला केवल बीते प्रदर्शन के आधार पर नहीं होना चाहिए।

क्या अभी सोने में निवेश करना चाहिए?

लंबी अवधि के निवेशक सोने को पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले साधन के रूप में देख सकते हैं। बाजार में जब शेयर या दूसरे जोखिम वाले निवेश दबाव में आते हैं, तब सोना कई बार पोर्टफोलियो को संतुलन देने में मदद करता है। हालांकि, जिस निवेशक ने सोने में पहले ही बड़ी तेजी के दौरान निवेश किया है, उसे नई खरीदारी करते समय एकमुश्त रकम लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश पर विचार करना चाहिए।

चांदी में सावधानी ज्यादा जरूरी

चांदी में संभावित रिटर्न अधिक हो सकता है, लेकिन जोखिम भी उसी अनुपात में बढ़ जाता है। इसलिए इसे सोने का सीधा विकल्प मानना उचित नहीं होगा। जोखिम लेने की क्षमता अधिक रखने वाले और उतार-चढ़ाव सहन कर सकने वाले निवेशक ही अपने कुल निवेश में इसकी सीमित हिस्सेदारी पर विचार कर सकते हैं।

निवेशकों के लिए सीधी बात

सोने और चांदी में तेजी की कहानी अभी कायम दिख रही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कीमतें लगातार बढ़ती रहेंगी। ब्याज दरों का रुख, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, वैश्विक अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक परिस्थितियां आगे भी इनकी कीमतों को प्रभावित करेंगी। निवेशकों के लिए सबसे अहम बात यह है कि शानदार पुराने रिटर्न के पीछे भागने के बजाय अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार एसेट अलोकेशन तय करें। सोने को पोर्टफोलियो का पूरा आधार बनाने के बजाय विविधीकरण के साधन के रूप में देखना अधिक संतुलित रणनीति हो सकती है। चांदी में संभावित तेजी आकर्षक है, लेकिन उसके साथ आने वाले तेज उतार-चढ़ाव के लिए भी तैयार रहना होगा।

आरडी या एफडी, निवेश के लिए कौन सा विकल्प बेहतर

बचत को सुरक्षित रखने और उस पर निश्चित रिटर्न हासिल करने के लिए बैंक की सावधि जमा यानी एफडी और आवर्ती जमा यानी आरडी आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय विकल्प हैं। दोनों में बैंक में पैसा जमा किया जाता है और तय अवधि पूरी होने पर मूलधन के साथ ब्याज मिलता है। हालांकि दोनों योजनाओं की कार्यप्रणाली अलग है। इसलिए निवेश का फैसला केवल ब्याज दर देखकर करने के बजाय अपनी आमदनी, उपलब्ध रकम और भविष्य की जरूरत के हिसाब से करना ज्यादा समझदारी है।

पहले समझें एफडी और आरडी में अंतर

एफडी में निवेशक एकमुश्त रकम बैंक में जमा करता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति के पास पांच लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है और उसे तत्काल इसकी जरूरत नहीं है, तो वह अपनी पसंद की अवधि के लिए एफडी करा सकता है। अवधि पूरी होने पर उसे मूलधन के साथ निर्धारित ब्याज प्राप्त होता है। वहीं आरडी में एक साथ बड़ी रकम जमा करने की जरूरत नहीं होती। इसमें निवेशक हर महीने एक निश्चित रकम जमा करता है। जैसे कोई व्यक्ति हर महीने 5 हजार रुपये आरडी में जमा करता है तो तय अवधि तक वह नियमित रूप से यह रकम जमा करता रहेगा। इस तरह छोटी-छोटी बचत मिलकर भविष्य के लिए बड़ा कोष तैयार कर सकती है।

नियमित आय वालों के लिए आरडी उपयोगी

आरडी उन लोगों के लिए सुविधाजनक हो सकती है जिनकी आमदनी हर महीने नियमित आती है, लेकिन उनके पास निवेश करने के लिए बड़ी एकमुश्त रकम नहीं है। नौकरीपेशा लोग, छोटे कारोबारी या नियमित आय वाले अन्य लोग अपनी मासिक बचत का एक हिस्सा आरडी में जमा कर सकते हैं।

बिजनेस साइट

इट्सा हॉस्पिटल्स ने अभनपुर-राजिम क्षेत्र में शुरू किया वेंटिलेटर एम्बुलेंस सेवाएं



रायपुर। इट्सा हॉस्पिटल्स, रायपुर की ओर से अभनपुर-राजिम क्षेत्र के मरीजों के लिए अत्याधुनिक वेंटिलेटर एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई। चंडी मोड़ स्थित आशुतोष अलका भवन में आयोजित कार्यक्रम में अभनपुर विधायक इन्द्र कुमार साहू और राजिम विधायक रोहित साहू सहित जनप्रतिनिधि, चिकित्सक व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अतिथियों ने वेंटिलेटर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में इट्सा हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर सुनील बालानी, डायरेक्टर डॉ. राजकुमार बरनवाल और आयुष्मान हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. पुनीत गोस्वामी भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने एम्बुलेंस का अवलोकन किया और अस्पताल प्रबंधन से स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की जानकारी ली। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इसे क्षेत्र की आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और आमंत्रित अतिथि शामिल हुए।

आखिरी मौका : अशोका पाम मीडोज के प्रॉपर्टी फेस्ट का आज अंतिम दिन

अपार्टमेंट्स के साथ प्लॉट्स की भी बढ़ी मांग





रायपुर। डूंडा स्थित आरती ग्रुप के अशोका पाम मीडोज में चल रहे प्रॉपर्टी फेस्ट का आज अंतिम दिन है। आयोजन को ग्राहकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फेस्ट में 3-बीएचके रेडी-टू-मूव अपार्टमेंट्स के साथ प्रीमियम रेजिडेंशियल प्लॉट्स को लेकर भी खरीदारों की रुचि देखने को मिल रही है। 90 एकड़ में विकसित हो रही टाउनशिप में 1,800 से 5,000 वर्गफुट तक के सीमित रेजिडेंशियल प्लॉट्स उपलब्ध हैं। कंपनी के अनुसार, प्लॉट्स को रोड, बिजली, पानी और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा 3-बीएचके रेडी-टू-मूव अपार्टमेंट्स भी प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं।

20% भुगतान के बाद 18 महीने तक नो पेमेंट

प्रॉपर्टी फेस्ट में खरीदारों के लिए 20% भुगतान पर बुकिंग की योजना रखी गई है। कंपनी के मुताबिक, बुकिंग के बाद अगले 18 महीनों तक ग्राहक को कोई भुगतान नहीं करना होगा। कंपनी का कहना है कि यह योजना ऐसे खरीदारों के लिए उपयोगी हो सकती है, जो वर्तमान में प्रॉपर्टी बुक कर भविष्य के भुगतान को कुछ समय के लिए टालना चाहते हैं।

पहली 100 बुकिंग पर लकी ड्रॉ

फेस्ट के तहत पहली 100 बुकिंग पर लकी ड्रॉ का मौका भी दिया जा रहा है। इसमें 30 लाख, 20 लाख और 10 लाख रुपए कीमत की कारों के साथ ई-स्कूटर को पुरस्कारों में शामिल किया गया है। कंपनी के अनुसार, प्रत्येक पात्र बुकिंग पर लकी ड्रॉ कूपन दिया जा रहा है।

डूंडा की कनेक्टिविटी पर जोर

आरती ग्रुप के डायरेक्टर ऋभुराज अग्रवाल ने बताया कि अशोका पाम मीडोज की लोकेशन को प्रोजेक्ट की प्रमुख विशेषताओं में शामिल किया गया है। उनके अनुसार, क्षेत्र में फोरलेन सड़क, नवा रायपुर से कनेक्टिविटी, स्कूल-कॉलेज और अस्पताल जैसी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। इसके चलते डूंडा को रायपुर के उभरते रिहायशी क्षेत्रों में देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित 150 एमएलडी फिल्टर प्लांट से क्षेत्र में भविष्य में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं। प्रॉपर्टी फेस्ट का समापन आज होगा, ऐसे में कंपनी की ओर से घोषित विशेष योजनाओं का लाभ लेने के लिए यह अंतिम दिन है।

अगस्त में विदेशी फंडों का जलवा 36.42 प्रतिशत तक मिला रिटर्न

- क्या अब ग्लोबल निवेश बढ़ाने का सही समय
- टॉप-15 में 12 फंड अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़े रहे
- ताइवान व अमेरिकी टेक शेयरों ने दिया जोरदार सहारा
- विशेषज्ञ बोले- एक महीने की बाजार में आई तेजी को देखकर अपने निवेश की रणनीति को न बदलें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंडों के प्रदर्शन ने निवेशकों का ध्यान अंतरराष्ट्रीय बाजारों की ओर खींचा है। महीने के दौरान सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंडों में विदेशी बाजारों में निवेश करने वाले फंडों का दबदबा रहा। करीब 613 इक्विटी फंडों के प्रदर्शन में शीर्ष पर रहने वाले फंड ने अगस्त में 36.42 प्रतिशत का रिटर्न दिया। टॉप-15 में 12 फंड अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़े रहे। इस प्रदर्शन ने एक बार फिर पोर्टफोलियो में विदेशी निवेश शामिल करने की चर्चा तेज कर दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ एक महीने के असाधारण रिटर्न को देखकर निवेशक अपने पोर्टफोलियो में ग्लोबल फंडों की हिस्सेदारी अचानक नहीं बढ़ाएं। अगस्त का प्रदर्शन कुछ खास बाजारों, क्षेत्रों और मुद्रा में आए बदलाव का परिणाम रहा है। अगस्त में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड डीएसपी वर्ल्ड गोल्ड माइनिंग ओसीज इक्विटी ओमनी एफओएफ रहा। इसने महीने में करीब 36.42 प्रतिशत रिटर्न दिया। इसके बाद निप्पोन इंडिया ताइवान इक्विटी फंड रहा, जिसने 21.30 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डीएसपी वर्ल्ड माइनिंग ओवरसीज इक्विटी ऑम्नी एफओएफ ने भी 20.82 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल स्ट्रैटेजिक मेटल एंड एनर्जी इक्विटी फंड ऑफ़ फंड ने 15.48 प्रतिशत रिटर्न दिया। वहीं मिरे एसेट एनवाईएसई एफएएनजी+ईटीएफ एफओएफ ने 11.48 प्रतिशत का रिटर्न दिया।

अमेरिकी टेक और ताइवान के बाजार ने दिया जोर

अगस्त में अंतरराष्ट्रीय फंडों के बेहतर प्रदर्शन की प्रमुख वजह विदेशी शेयर बाजारों में आई तेजी रही। खासकर अमेरिका के तकनीकी और वृद्धि आधारित शेयरों को मजबूत प्रदर्शन का फायदा मिला। ताइवान का बाजार भी इस दौरान तेजी से बढ़ा। अगस्त में ताइवान का बाजार करीब 11 प्रतिशत चढ़ा। इसी अवधि में एसएंडपी 500 करीब 4 प्रतिशत और नैस्डैक करीब 6.7 प्रतिशत बढ़ा। ताइवान के बाजार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े हार्डवेयर, सेमीकंडक्टर और मेमोरी चिप कंपनियों की तेजी से फायदा मिला। अमेरिकी बाजार में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। इसका सीधा फायदा उन म्यूचुअल फंडों को मिला, जिनके पोर्टफोलियो में इन बाजारों और क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं। यानी अगस्त का शानदार प्रदर्शन पूरे अंतरराष्ट्रीय फंड वर्ग का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि कुछ खास बाजारों और थीम का प्रदर्शन इसमें बड़ी भूमिका निभाता है।

रुपये की कमजोरी ने भी बढ़ाया रिटर्न

विदेशी फंडों के रिटर्न में केवल विदेशी शेयर बाजारों की तेजी का योगदान नहीं रहा। मुद्रा विनिमय दर में बदलाव ने भी निवेशकों के रिटर्न को प्रभावित किया। जब भारतीय रुपया विदेशी मुद्रा के मुकाबले कमजोर होता है तो विदेश में किए गए निवेश की रुपये में कीमत बढ़ जाती है। ऐसे में विदेशी बाजार में शेयरों की कीमत में सीमित बढ़ोतरी होने पर भी भारतीय निवेशक को रुपये में अपेक्षाकृत ज्यादा रिटर्न दिखाई दे सकता है।



क्या अब विदेशी फंडों में निवेश बढ़ाना चाहिए?

अगस्त के आंकड़े आकर्षक जरूर हैं, लेकिन विशेषज्ञ निवेशकों को जल्दबाजी से बचने की सलाह दे रहे हैं। राजेश मिनोचा के मुताबिक, केवल एक महीने के प्रदर्शन को आधार बनाकर निवेश का फैसला नहीं करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय निवेश का सबसे बड़ा फायदा पोर्टफोलियो में भौगोलिक विविधता लाना है। भारतीय बाजार में निवेश करने वाले व्यक्ति के पास अमेरिका, ताइवान या दूसरे देशों की कंपनियों में सीधे निवेश किए बिना अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंडों के माध्यम से हिस्सा लेने का विकल्प होता है। इससे किसी एक देश या बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, विदेशी निवेश में मुद्रा जोखिम, वैश्विक बाजारों की अस्थिरता और अलग-अलग देशों की आर्थिक एवं नीतिगत परिस्थितियों का असर भी रहता है। इसलिए इसे पोर्टफोलियो का पूरा आधार बनाने के बजाय विविधीकरण के एक हिस्से के रूप में देखना ज्यादा उचित है।

पूरी अंतरराष्ट्रीय श्रेणी ने 36 प्रतिशत रिटर्न नहीं दिया

यह अंतर समझना निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। शीर्ष फंड के 36.42 प्रतिशत रिटर्न को देखकर ऐसा लग सकता है कि अंतरराष्ट्रीय फंडों की पूरी श्रेणी ने अगस्त में असाधारण प्रदर्शन किया। लेकिन ऐसा नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फंडों का औसत एक महीने का प्रदर्शन करीब 3.6 प्रतिशत रहा। इसका मतलब है कि कुछ चुनिंदा फंडों के शानदार प्रदर्शन ने पूरी श्रेणी की तस्वीर को काफी ऊपर खींच दिया। गोल्ड माइनिंग, मेटल्स, ऊर्जा, ताइवान और अमेरिकी तकनीकी शेयरों से जुड़े फंडों को खास परिस्थितियों का फायदा मिला। भविष्य में यदि इन क्षेत्रों की तेजी धीमी होती है तो इनके रिटर्न में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यदि किसी निवेशक के पोर्टफोलियो में पहले से अंतरराष्ट्रीय फंड हैं तो केवल अगस्त के प्रदर्शन को देखकर उन्हें बेचने या बढ़ाने की जरूरत नहीं है। पहले यह देखना चाहिए कि कुल निवेश में विदेशी फंडों की हिस्सेदारी कितनी है और क्या यह उसके वित्तीय लक्ष्य तथा जोखिम क्षमता के अनुरूप है। नए निवेशकों के लिए भी किसी एक महीने के रिटर्न के आधार पर बड़ी रकम लगाना उचित नहीं होगा। यदि पोर्टफोलियो में विदेशी बाजारों को शामिल करना है तो निवेश को चरणबद्ध तरीके से किया जा सकता है। व्यापक स्तर पर विविधीकरण करने वाले फंड और किसी खास देश या क्षेत्र पर केंद्रित फंड के जोखिम में भी अंतर होता है।

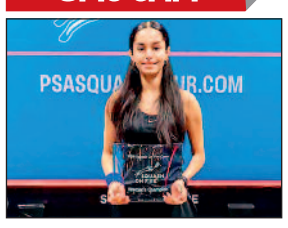
निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **एक महीने का रिटर्न अंतिम संकेत नहीं** 36.42 प्रतिशत का रिटर्न असाधारण है, लेकिन इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।
- **देश और थीम देखें :** अमेरिका, ताइवान, गोल्ड माइनिंग, धातु और ऊर्जा से जुड़े फंडों का जोखिम और प्रदर्शन एक जैसा नहीं होता।
- **मुद्रा जोखिम समझें :** रुपये में कमजोरी विदेशी निवेश का रिटर्न बढ़ा सकती है, लेकिन रुपये की मजबूती इसका उलटा असर डाल सकती है।





खबर संक्षेप



लंदन स्क्वाश : क्वार्टर फाइनल में हारी अनाहत

लंदन। भारत की अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की विश्व में पांचवें नंबर की खिलाड़ी शिवसंगारी सुब्रमण्यम से हारकर लंदन स्क्वाश क्लासिक पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता से बाहर हो गई। मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत को 4-11, 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। अनाहत ने विश्व की नंबर 11 खिलाड़ी नेली गिलिस को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज यह भारतीय खिलाड़ी अब 12 सितंबर से शुरू होने वाले कतर क्लासिक टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट जापान में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी का हिस्सा है।

एशिया कप : भारत ने दक्षिण कोरिया को हराया



मोकी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप में अपने खिताब बचाव अभियान की शुरुआत दक्षिण कोरिया पर 4-1 की शानदार जीत के साथ की। पिछले दो चरण के चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ संयमित और दबदबे वाला प्रदर्शन किया। भारत की ओर से सानिका चंद्रकांत माने, पूर्णिमा यादव, पूजा साहू और मधु सिदार ने गोल किए। भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक इरादे दिखाए और पहले क्वार्टर में कई मौके बनाए। इसका फायदा उसे आठवें मिनट में मिला, जब सानिका ने गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने दक्षिण कोरियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और पहले क्वार्टर में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया।

ओमेगा यूरोपियन : टॉप टेन में बरकरार शुभंकर



क्रान्स मोंटाना। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने आखिरी छह होल में तीन बोगी की लेकिन इसके बावजूद वह ओमेगा यूरोपियन मास्टर्स के दूसरे दौर के बाद शीर्ष-10 में बने रहने में कामयाब रहे। डीपी वर्ल्ड टूर में दो बार जीत हासिल कर चुके 30 वर्षीय शर्मा ने दूसरे दौर में छह बडी लगाई और चार बोगी की। इस तरह से उन्होंने इस दौर में दो अंडर 68 का स्कोर बनाया। शर्मा ने पहले दौर में छह अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाया था। इस तरह से अब उनका कुल स्कोर आठ अंडर है और वह संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं।

यूएस ओपन : कामिला रखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराया

सबालेंका ने 54 मिनट में जीता मुकाबला, चौथे दौर में पहुंचीं

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

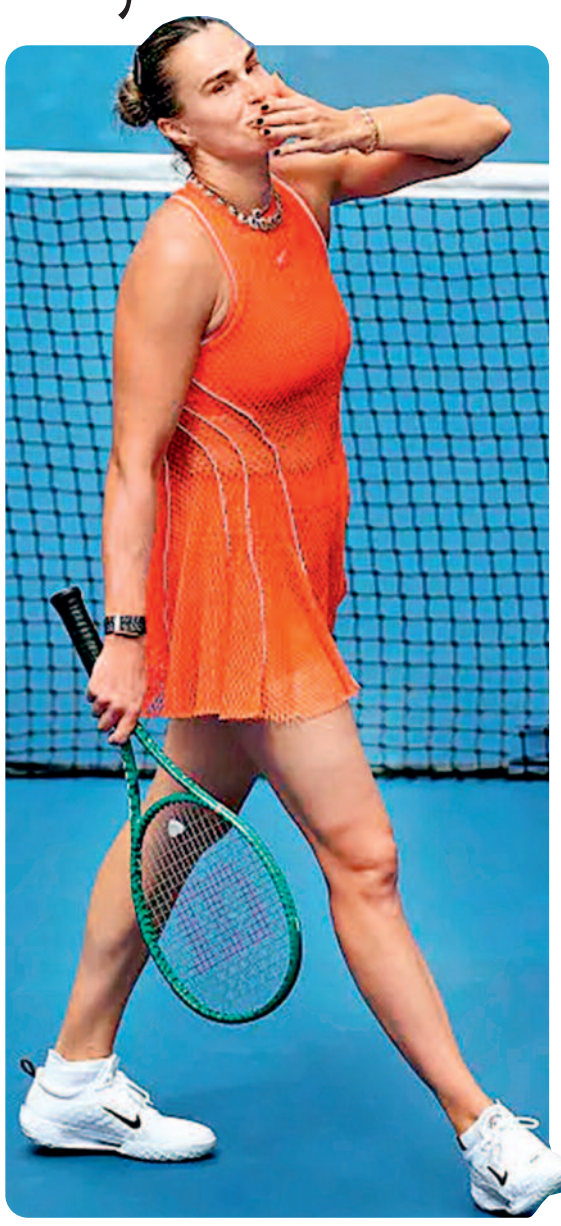
यूएस ओपन के महिला एकल में दो बार की मौजूदा चैंपियन एरीना सबालेंका ने चौथे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने कामिला रखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी को दूसरे सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जो 54 मिनट तक चला। उन्होंने दूसरे दौर का अपना मैच केवल 53 मिनट में जीता था। वह सेरेना विलियम्स के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कवायद में हैं। अंतिम 16 में उनका मुकाबला टेलर टाउनसेंड से होगा।

एरीना ने मादक पदार्थ की गंध के कारण रोका मैच

सबालेंका को मैच के दौरान मारिजुआना की गंध महसूस की। उन्होंने चेयर अंपायर से इसकी शिकायत की।उन्होंने बाद में कहा, 'दोस्तों आप जो चाहें कर सकते हैं। आप धूम्रपान करने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन कृपया टेनिस कोर्ट के आसपास ऐसा न करें। जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हों तो उस गंध को सहन करना थोड़ा मुश्किल होता है।'

जेसिका ने लेयला को हराया

तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने पहला सेट आसानी से गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 2021 की उपविजेता लेयला फर्नांडीज को 1-6, 6-4, 6-3 से हराया। पेगुला का मुकाबला अब रोमानिया की 36 वर्षीय सोराना सिर्स्टिया से होगा, जो इस सत्र के बाद संन्यास लेने पर विचार कर रही हैं।



अल्काराज का विजय अभियान जारी



डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने चीन के वू यिबिंग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर यूएस ओपन के चौथे राउंड में जगह बनाई। दाहिनी कलाई की चोट से उबरने के बाद अप्रैल के बाद से अपने पहले टूर्नामेंट में खेल रहे अल्काराज ने ग्रैंड स्लैम इवेंट्स में अपनी जीत का सिलसिला 17 मैचों तक बढ़ा लिया है। अल्काराज को वू से शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने आक्रामक शॉट-मेकिंग वाले इस मुकाबले में जबरदस्त फोरहैंड दिखाए। शुरुआती सेट में वू ने अल्काराज की बराबरी की और उन पर दबाव बनाया, जिससे अल्काराज को पहले और दूसरे, दोनों सेट में मिली ब्रेक की बढ़त गंवानी पड़ी। हालांकि, दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी ने अहम मौकों पर अपना खेल बेहतर किया, मैच पर पकड़ बनाई और दो सेट की बढ़त हासिल कर ली।



विलियम्स बहनों की वापसी पर फिरा पानी

सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स को यूएस ओपन डबल्स में हार का सामना करना पड़ा है। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में विलियम्स बहनों को चैन हाओ-चिंग और माया जॉइंट की जोड़ी ने निर्णायक सुपर टाईब्रेक में जीत हासिल की। तीन घंटे तक चले मैच में, चैन और जॉइंट ने 14 बार की ग्रैंड स्लैम डबल्स चैंपियन को 6-3, 6-7 (8), 7-6 [7] से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। **मुकाबले में पड़ी सुपर टाईब्रेक की जरूरत :** इस परिणाम ने विलियम्स बहनों को टूर्नामेंट में दमदार वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। खचाखच भरे ऐश स्टेडियम में एक ऐसा मुकाबला देखने को मिला जो बार-बार दोनों टीमों के बीच घूमता रहा और आखिर में नतीजा तय करने के लिए सुपर टाईब्रेक की जरूरत पड़ी। चैन और जॉइंट ने शुरुआत में ही नियंत्रण बना लिया और पहला सेट 6-3 से जीत लिया। लेकिन, विलियम्स बहनों ने दूसरे सेट में नए जोश के साथ जवाब दिया और अपनी अपोनेंट्स को सर्व पर कोई मौका नहीं दिया। सेट टाईब्रेक तक गया, जिसमें कोई भी जोड़ी 12 गेम तक बराबरी नहीं कर पाई।

एशिया कप में भारत ने 7वीं बार पाकिस्तान को दी मात

- भारत ने52 गेंद में हासिल किया लक्ष्य
- महज 55 रन पर सिमटी पाक टीम
- श्रीचरणी और प्रेमा की फिरकी में फंसा पाकिस्तान



एजेंसी ▶▶| दुबई

श्रीचरणी और प्रेमा रावत की युवा स्पिन जोड़ी की घातक गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह बेबस नजर आई और भारत ने महिला एशिया कप टी20 के एकतरफा मुकाबले में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी को 7 विकेट से रौंद दिया। टीम इंडिया ने पाकिस्तान को महज 55 रन पर समेट दिया, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में पाकिस्तान का अब तक का सबसे कम स्कोर है। भारत ने 8.4 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। हरमनप्रीत ने नाबाद 18 रन बनाए और विजयी छक्का लगाकर मुकाबला खत्म किया। दीप्ति शर्मा 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। इस तरह भारतीय महिला टीम ने 7वीं बार एशिया कप में पाक टीम को शिकस्त दी।

श्रीचरणी ने सिर्फ 7 रन देकर चटकाए 3 विकेट

भारत की 22 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी ने 4 ओवर में सिर्फ 7 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि लेग स्पिनर प्रेमा ने 4 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शेफाली वर्मा ने 3 ओवर में 10 रन देकर 1 विकेट लिया। दीप्ति शर्मा ने 3.1 ओवर में 5 रन देकर 2 विकेट झटकते हुए पाकिस्तान की पारी समेटने में अहम भूमिका निभाई।

भारत ने जल्द गंवाए 3 विकेट

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शेफाली (12), स्मृति मंधाना (9) और प्रतिका रावल (4) के विकेट जल्दी गंवा दिए। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने तीनों को पवेलियन भेजा। फिर हरमनप्रीत ने और दीप्ति ने भारत को आसानी से जीत तक पहुंचा दिया।

पाकिस्तान का 200वां टी20 मुकाबला

इससे पहले अपने 200वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने शुरुआती चार ओवर में बिना विकेट खोए 27 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। मुनीबा अली को दो जीवनदान मिलने के बावजूद वह 13 रन ही बना सकीं, जबकि शवाल जुल्फिकार ने 14 रन का योगदान दिया। इसके बाद पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका।

हरमनप्रीत ने हासिल किया बड़ा मुकाम

विमेंस एशिया कप के 9वें मुकाबले में मैदान पर उतरने के साथ ही हरमनप्रीत कौर ने बतौर कप्तान बड़ी उपलब्धि को अपने नाम की। हरमनप्रीत महिला टी20 इंटरनेशनल में 150 मैचों में कप्तानी करने वाली पहली कप्तान बन गई हैं। हरमनप्रीत यह मुकाम हासिल करने वाली पहली क्रिकेटर (पुरुष और महिला) हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू का नाम है, जिन्होंने 121 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में कप्तानी की है। वहीं, मेग लेनिंग 100 मैचों में कप्तानी करने के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

शेफाली ने रचा इतिहास

शेफाली वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3 हजार रनों का आंकड़ा छूने वाली सबसे युवा महिला क्रिकेटर बन गई हैं। शेफाली ने यह कारनामा 22 साल 220 दिन की उम्र में किया। इसी के साथ शेफाली ने आयरलैंड की गैबी लुईस (24 साल 347 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

फाइनल में तीसरी बार सात्विक-चिराग

चाइना मास्टर्स: खिताब से एक कदम दूर भारतीय जोड़ी

एजेंसी ▶▶| शेनजेन

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार रणनीतिक खेल का प्रदर्शन करते हुए मलेशिया के नूर मोहम्मद अजरीन अयूब और टैन वी कियोंग को तीन गेम में हराकर तीसरी दफा चीन मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही भारतीय जोड़ी इस सत्र के अपने दूसरे खिताब से अब सिर्फ एक जीत दूर है।



मलेशियाई जोड़ी को 1 घंटे 5 मिनट में हराया

सात्विक-चिराग की दुनिया की पांचवें नंबर की जोड़ी ने दूसरे गेम में लड़खड़ाने के बाद जोरदार वापसी की और 29वीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी को 1 घंटे 5 मिनट में 21-15, 18-21, 21-11 से हराया। भारतीय जोड़ी 2023 और 2025 के चरण में उपविजेता रही थी। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी अब खिताबी मुकाबले में चीन के हे जी तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी से भिड़ेगी। मैच से पहले सात्विक और चिराग का नूर और टैन के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 2-0 था। भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई खिलाड़ियों को 2024 थाईलैंड ओपन और 2025 मलेशियाई ओपन में हराया था। लगातार चौथे सेमीफाइनल में खेल रही चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में 0-5 से पिछड़ने के बाद लगातार सात अंक हासिल किए। इसमें 34 शॉट की लंबी रैली भी शामिल थी, जिससे उन्होंने 7-5 की बढ़त बना ली।

सुथार ने इंग्लैंड में जमाई धाक, झटके 7 विकेट



लंदन। मानव सुथार ने काउंटी चैंपियनशिप में हैम्पशायर के खिलाफ मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। वारविकशायर के लिए मानव सुथार के बल्ले से सिर्फ 9 रन निकले लेकिन गेंदबाजी में उन्होंने छाप छोड़ी। हैम्पशायर की पहली पारी में उन्होंने 16 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट लिए। इस दौरान निक गुब्बिन्स, जेम्स फुलर और एडी जैक को आउट किया। दूसरी पारी में मानव ने 23.3 ओवर में 52 रन देकर 4 विकेट लिए। इस तरह मैच में उन्होंने 39.3 ओवर में 94 रन देकर 7 विकेट चटकाए।

रायपुर विकास प्राधिकरण

https://rdaraipur.cgstate.gov.in



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

रायपुर में आपके सपनों का घर

बुकिंग की अंतिम तिथि 18.09.2026



डॉ. जयप्रकाश शर्मा
उपाध्यक्ष
रायपुर विकास प्राधिकरण



श्री नन्द कुमार साहू
अध्यक्ष
रायपुर विकास प्राधिकरण



श्री ओ.पी. चौधरी
माननीय मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन
वित्त, वाणिज्य कर, योजना आर्थिक और सांख्यिकी विभाग, आवास और पर्यावरण विभाग

आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्ड, डुप्लेक्स आवास, फ्लैट्स विक्रय हेतु उपलब्ध

क्रमांक .....

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना

दिनांक .....

विक्रय योग्य संपत्तियाँ

क्र.	योजना	संपत्ति का प्रकार	संख्या	संपत्ति का क्षेत्रफल (वर्गफुट में)	संपत्ति का मूल्य (रुपये में)
1	कौशल्या माता विहार (PCG RERA No. - 190618000236)	आवासीय भूखण्ड दर ₹2395/- प्रति वर्गफुट	09	822.4-6855.498	₹19,69,648 से ₹1,64,18,923/-
		व्यावसायिक भूखण्ड - सेक्टर लेवल दर ₹3993/- प्रति वर्गफुट	01	788.697	₹31,49,279/-
		रो हाऊस, सेक्टर - 10	01	615.56	₹25,95,655/-
		एल.आई.जी. फ्लैट्स (3BHK) सेक्टर-13	61	645.5	₹20,90,000/-
		एल.आई.जी. फ्लैट्स (2BHK) सेक्टर-2, 4, 8A	13	493.74	₹14,10,000/-
		एल.आई.जी. फ्लैट्स (3BHK) सेक्टर-1, 4, 10	16	645.29	₹16,85,000/-
2	रावांभाटा ट्रांसपोर्ट नगर	व्यावसायिक भूखण्ड दर ₹2323/- प्रति वर्गफुट	06	538.2-2152.8	₹12,50,239 से ₹50,00,954/-
		कुल	107		

महत्वपूर्ण सूचना :-

1. संपत्तियों का आवंटन निविदा के माध्यम से होगा। निविदा के नियम एवं शर्तें, उपलब्ध संपत्तियों का विवरण, निर्धारित ऑफसेट दर तथा आवेदन की जानकारी प्राधिकरण की वेबसाईट - https://rdaraipur.cgstate.gov.in में उपलब्ध है। समस्त निविदा ऑनलाईन के माध्यम से स्वीकार की जायेगी।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपए 500/- + 18% GST है। जिसका भुगतान निविदा की धरोहर राशि के साथ ऑनलाईन भुगतान करना होगा।
3. निविदादाता द्वारा निविदा प्रपत्र संपूर्ण रूप से भरा हुआ होना चाहिये, प्रपत्र में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर निविदा निरस्त कर दी जाएगी, जो कि निविदाकर्ता की ही संपूर्ण जवाबदारी होगी।
4. प्राप्त मान्य निविदाओं में उच्चतम निविदा को उक्त संपत्ति हेतु आवंटन किया जायेगा।
5. निविदा प्रस्तुत हो जाने के पश्चात् प्रस्तुत निविदा वापसी/परिवर्तन से संबंधित कोई भी आवेदन स्वीकार योग्य नहीं होगा तथा प्राप्त निविदा को निविदा प्रक्रिया में शामिल माना जावेगा तथा निविदादाता द्वारा प्रस्तुत निविदा यदि सफल होती है तो निविदाकर्ता द्वारा आवंटन स्वीकार न करने पर धरोहर राशि राजसात कर ली जावेगी।
6. प्राधिकरण द्वारा भविष्य में निविदाकर्ता द्वारा संलग्न दस्तावेज के परीक्षण पर नियमानुसार पात्रता नहीं होने पर प्राधिकरण को आवंटन निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
7. सफल निविदाकर्ता द्वारा आवंटन आदेश में उल्लेख के अनुसार निर्धारित समय अवधि में राशि जमा करनी होगी अन्यथा प्राधिकरण द्वारा धरोहर राशि राजसात कर ली जावेगी।
8. निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तें सतर्कता पूर्वक पढ़ कर ही आवेदन करें।

महत्वपूर्ण तिथियां

- निविदा जारी करने की तिथि : 03/09/2026
- निविदा फॉर्म वेबसाईट पर उपलब्ध होने की तिथि : 03/09/2026 से 18/09/2026 तक
- पूर्ण रूप से भरी गई निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : 18/09/2026 रात्रि 12:00 बजे तक
- निविदा खोलने की तिथि : 28/09/2026

अति. मुख्य कार्यपालन अधिकारी

रायपुर विकास प्राधिकरण
भक्त माता कर्मा व्यावसायिक परिसर, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) 492006
वेबसाईट - https://rdaraipur.cgstate.gov.in, टोल फ्री नं. - 1800-233-7188

जागो ग्राहक जागो
टीप :- रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा संपत्ति विक्रय के लिए किसी भी एजेंट/ब्रोकर की नियुक्ति नहीं की गई है। इच्छुक आवेदक संपत्ति क्रय/खरीदने के लिए सीधे कार्यालय के मार्केटिंग शाखा से संपर्क करें।

आज से दलीप ट्रॉफी फाइनल, लय हासिल करना चाहेंगे सिराज

बड़े स्कोर पर पडिक्कल, तिलक, सूर्यवंशी की नजरें

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

वैभव सूर्यवंशी, देवदत्त पडिक्कल और तिलक वर्मा पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र के बीच रविवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के फाइनल में लाल गेंद क्रिकेट में अपने हाल के प्रदर्शन को और बेहतर करने की कोशिश करेंगे जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की निगाह लय हासिल करने पर होगी। पडिक्कल को साई सुदर्शन के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम में जो मौका मिला, उसका उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भरपूर फायदा उठाया।

शमी खेलेंगे 100वां मैच

शमी का यहां 100वां प्रथम श्रेणी मैच होगा, जो एक तेज गेंदबाज के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। वह राष्ट्रीय टीम में वापसी की कोशिश में लगे हैं और वह यहां अच्छा प्रदर्शन करके अपना दावा मजबूत करना चाहेंगे। भारत के लिए उन्होंने अपना आखिरी मैच मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के रूप में खेला था।



वैभव की सभी प्रारुप में खेलने की संभावना

पूर्वी क्षेत्र से खेलने वाले सूर्यवंशी ने मध्य क्षेत्र के खिलाफ सेमीफाइनल में 92 और 40 रन बनाकर यह साबित कर दिया कि वह परिस्थितियों के अनुसार अपना खेल खेलने में माहिर हैं और उन्हें केवल सीमित ओवर के प्रारुपों तक ही सीमित नहीं माना जाना चाहिए। अगर वह फाइनल में भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उनकी सभी प्रारुप में खेलने की संभावना बढ़ जाएगी।

सिराज को सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में आना होगा

अनुभवी तेज गेंदबाज सिराज को न्यूजीलैंड के आगामी दौरे से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में आना होगा। वह दक्षिण क्षेत्र की टीम में चोटिल तेज गेंदबाज विदवत कावेरप्पा की जगह ले सकते हैं। सिराज श्रीलंका के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला में प्रभाव नहीं छोड़ पाए और वह किसी भी समय लय में नहीं दिखे। उनके इस प्रदर्शन को देखते हुए कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि सिराज को अपनी लय वापस पाने की जरूरत है। इशान किशन पूर्व क्षेत्र की कप्तानी करेंगे और अगले सप्ताह अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल होने से पहले वह कुछ रन बनाने के लिए उत्सुक होंगे।

मैच का समय : सुबह 9:30 बजे



छोटी-छोटी मशीनों पर कुत्ते कर सकेंगे कसरत, खुला अनोखा जिम

नई दिल्ली। आपने इंसानों वाले जिम तो कई देखे होंगे, लेकिन क्या आपने कभी कुत्तों के जिम के बारे में सुना है? दरअसल, चीन में पालतू जानवरों के लिए एक खास तरह का जिम खुल चुका है। इसमें वॉकिंग से लेकर तैराकी तक, कुत्ते सब कुछ कर सकेंगे। सिंगापुर का एक जानवरों वाला स्वास्थ्य सेवा ब्रांड 'हील पेटकेयर' ने इस जिम को तैयार करवाया है। यह जिम शंघाई में बनाया जा रहा है और इसे 'गोगोजिम' नाम दिया गया है। हाल ही में इस जिम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। वीडियो में कुछ कुत्ते ट्रेडमिल पर एक्सरसाइज करते हुए दिखाई दे रहे थे। इसे देखकर लोग हैरत में पड़ गए और जिम के बारे में और जानने के लिए उत्सुक हो गए।

ऐसा है जिम का नजारा

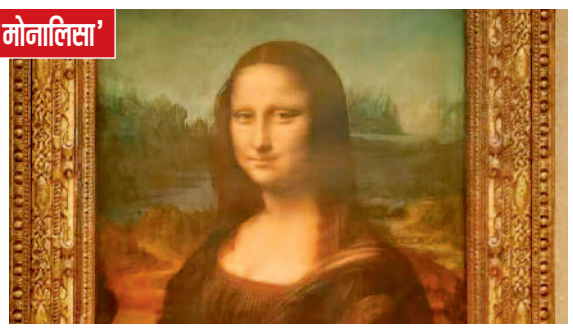
इस जिम में कुल 4 खास कमरे बनाए गए हैं, जहां जानवरों को अलग-अलग तरह की सेवाएं मिल रहीं हैं। यहां एक फिटनेस सेंटर, एक स्पा, एक मालिश वाला कमरा और पालतू जानवरों के सामान वाली एक दुकान मौजूद है। कर्मचारियों के मुताबिक, जिम में कसरत करने का शुल्क अलग-अलग तय किया गया है।

मोनालिसा से लेकर सैलवेटर मुंडी तक ये हैं दुनिया की सबसे महंगी पेंटिंग

कला एक ऐसी चीज है, जो कलाकारों को सदा के लिए अमर कर देती है। दुनियाभर में कई ऐसे महान कलाकार हुए, जिन्होंने अपने कैनवास पर कुछ बेहतरीन कलाकृतियां उकेर कर उन्हें दुनिया के लिए चर्चा का विषय बना दिया। इन सभी पेंटिंग की कीमत आज के समय में करोड़ों से लेकर अरबों रुपये के बीच होती हैं। चलिए आज के लेख में हम आपको दुनिया की कुछ सबसे महंगी पेंटिंग के बारे में बताते हैं।

लियोनार्डो दा विंची की 'मोनालिसा'

आप सभी ने मोनालिसा पेंटिंग तो जरूर देखी होगी, जो आज तक दुनिया की सबसे मशहूर पेंटिंग बनी हुई है।इसे 1500 के दशक की शुरुआत में लियोनार्डो दा विंची ने बनाया था। यह एक मुस्कुराती हुई महिला के आधे शरीर का चित्र है, जिसका नाम लिसा डेल जिओकोंडो था। वैसे तो यह बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है, लेकिन कला विशेषज्ञों का अनुमान है कि इसका मूल्य लगभग 8,457 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है।



लियोनार्डो दा विंची की 'साल्वेटर मुंडी'



लियोनार्डो दा विंची की एक और रचना इस सूची में दूसरा स्थान हासिल करती है। इस पेंटिंग का नाम 'साल्वेटर मुंडी' है, जिसे 1499-1510 के बीच बनाया गया था। इसे लोग 'मोना लीसा का नर संस्करण' भी कहते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह नीलामी में बिकने वाली दुनिया की सबसे महंगी पेंटिंग है। 2017 में सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने इसे 3,800 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर खरीदा था।

विलेम डी कूनिंग की 'इंटरचेंज'

इंटरचेंज विलेम डी कूनिंग द्वारा बनाई गई एक प्रसिद्ध पेंटिंग है, जो 1955 में पूरी हुई थी। इस पेंटिंग में कई अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल किया गया है और उन्हें बेतरतीबी से कैनवास पर बिखेरा गया है। इस सुंदर कलाकृति को 2015 में निजी तौर पर एक व्यक्ति ने खरीदा था। आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि इसकी कीमत 2,537 करोड़ रुपये से भी ज्यादा लगाई गई थी। इसको दुनिया की सबसे महंगी ऐबस्ट्रैक्ट पेंटिंग कहा जाता है।



पॉल सेजेन की 'द कार्ड प्लेयर्स'

द कार्ड प्लेयर्स फ्रांसीसी कलाकार पॉल सेजेन द्वारा बनाई गई आयल पेंटिंग की एक सीरीज है। सेजेन ने 1890 और 1895 के बीच इस थीम पर आधारित 5 पेंटिंग बनाई थीं, जिनमें पुरुषों को ताश खेलते हुए दिखाया गया है। इस सीरीज की एक पेंटिंग ने बाकियों से ज्यादा सुर्खियां बटोरीं, क्योंकि उसे कतर के राज परिवार ने खरीद लिया था। ताश खेलते हुए पुरुषों वाली इस पेंटिंग को 2,114 करोड़ रुपये से भी अधिक कीमत पर बेचा गया था।

पॉल गौगुइन की 'नाफेआ फा इपोइपो'

नाफेआ फा इपोइपो पॉल गौगिन द्वारा बनाई गई खूबसूरत पेंटिंग है, जिसका ताहितियन में मतलब होता है 'आप शादी कब करेंगे?' इसे 1892 में बनाया गया था और इसमें 2 ताहिती महिलाओं को आस-पास बैठे हुए चित्रित किया गया है। यह पेंटिंग जीवंत रंगों और ताहिती संस्कृति को दर्शाने के लिए जानी जाती है। इसे 2015 में 1,776 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर कतर के एक व्यक्ति ने खरीदा था।







सबसे लंबे वेडिंग गाउन से लेकर सबसे लंबे फैशन-शो तक, फैशन से जुड़े विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। हर व्यक्ति चाहता है कि उसका फैशन और स्टाइल सबसे अलग और खास हो। इसके लिए कुछ लोग इंटरनेट का सहारा लेते हैं तो कुछ खुद ही अपने स्टाइल को रूप देते हैं। कई बार यही फैशन उन्हें ऐसी ऊंचाइयों पर ले जाता है कि वे पूरी दुनिया में नाम कमा लेते हैं। आज हम आपको फैशन से जुड़े कुछ अनोखे विश्व रिकॉर्ड के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

सबसे लंबे वेडिंग गाउन का रिकॉर्ड

9 दिसंबर, 2017 को फ्रांस में दुनिया का सबसे लंबा वेडिंग गाउन बनाया गया था, जिसका नाम गिनीज बुक में शामिल किया गया है।इस गाउन की टेल यानि घेर की लंबाई करीब 8,095.40 मीटर है और इसे डायनामिक प्रोजेक्ट्स नामक दुकान ने बनाया था। 15 लोगों ने दान में मिले कपड़ों को एक साथ जोड़कर टेल बनाने में 2 महीने का समय लगाया था। इसके बाद इसे बेल्ट में लगाकर ड्रेस के साथ जोड़ दिया गया था।

सबसे लंबे फैशन शो का रिकॉर्ड

फैशन शो आम तौर पर कुछ घंटों तक चलते हैं, जिसके दौरान अलग-अलग डिजाइनर अपने बनाए हुए कपड़ों को दिखाते हैं। पेशेवर मॉडल्स ये कपड़े पहनती हैं और दर्शकों के बीच रैंप वाक करती हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया का सबसे लंबा फैशन शो 30 घंटे तक चला था। इसे यूनाइटेड किंगडम की ब्लॉसम चैरिटी ने इप्सविच में आयोजित किया था, जो 13 से 14 अक्टूबर, 2017 तक तक चला था।

सबसे जल्दी कपड़े पहनने का रिकॉर्ड

आम तौर पर महिलाएं तैयार होने में घंटों लगा देती हैं। हालांकि, एक महिला ने कुछ सेकंड में कपड़े बदलकर अपना नाम गिनीज बुक में शामिल कर लिया है। सबसे जल्दी राजकुमारी की तरह कपड़े पहनने का गिनीज विश्व रिकॉर्ड 17.28 सेकंड का है। यह रिकॉर्ड शेरी शेफर्ड नामक महिला के नाम दर्ज है, जिसे उन्होंने 14 नवंबर, 2024 को बनाया था। बता दें कि यह रिकॉर्ड न्यूयॉर्क में पूरा किया गया था।

शो में सबसे ज्यादा मॉडल होने का रिकॉर्ड

औसतन एक फैशन शो में करीब 20 से 40 मॉडल्स शामिल की जाती हैं। शो की भव्यता और दायरे के आधार पर यह संख्या अलग-अलग हो सकती है।











हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com